Ranchi ●Saturday, 27 September 2025 ●Year : 03 ●Issue : 252●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

- ❑ भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार के पूजा पंडाल का खुला पट
- ❑ कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर का बनाया गया है भव्य प्रारूप
- ❑ 14400 वर्ग फीट में तैयार पूजा पंडाल में केवल प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल
- ❑ पंडाल पर 90 लाख रुपये का आया है खर्च

दुर्गोत्सव

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन आरआर स्पोर्टिंग क्लब, रातू रोड के दुर्गा पूजा पंडाल का अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मातारानी के दरबार में शीश नवाकर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की कामना की।

शारदीय नवरात्र : पांचवां दिन

मां स्कंदमाता

या देवी सर्वभूतेषु मां
स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः॥

BRIEF NEWS

गिरिडीह में हुआ सड़क हादसा, 4 लोगों की गई जान, कई घायल

GIRIDIH : शुक्रवार को गिरिडीह जिले के टुंडी मुख्य मार्ग पर ताराटांड़ थाना क्षेत्र में भीषण दुर्घटना हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बड़कीटांड़ मोड़ के समीप ट्रक व पिकअप में आमने-सामने टक्कर से हुआ, जिसमें पिकअप वैन में सवार लोग ट्रक के नीचे दब गए। बताया जाता है कि दोपहर में हुई घटना के बाद ट्रक पलट गया, जबकि वैन भी पलट कर सीधी हो गई। मृतकों में एक गिरिडीह के मनकडीहा व शेष ताराटांड़ थाना के रानीटांड़ गांव निवासी थे। सभी दुर्गा पूजा में घर जा रहे थे। इनमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिसमें दो धनबाद के निरसा निवासी हैं।

बिहार में महिला रोजगार योजना लॉन्च करने के बाद पीएम मोदी बोले-

आपके दो भाई- नरेंद्र और नीतीश

- » 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये हुए ट्रांसफर
- » महिलाओं के सपने पूरे करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी डबल इंजन की सरकार
- » नवरात्र के पावन दिनों में नारी शक्ति की खुशियों में शामिल होने का मिला अवसर
- » नीतीश के नेतृत्व में चल रहा कानून का राज बेखौफ होकर घरों से निकल रहीं महिलाएं

AGENCY PATNA : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को वर्चुअली लॉन्च किया। इस योजना के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि यानी कुल 7500 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार महिलाओं के सपनों को पूरा करने और उन्हें आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने को लेकर संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए योजना का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्र के पावन दिनों में उन्हें बिहार की नारी शक्ति के साथ उनकी खुशियों में शामिल होने का अवसर मिला है। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाई की खुशी तभी होती है, जब उसकी बहन स्वस्थ, सुखी और आत्मनिर्भर हो। यही भावनाएं उन्हें और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महिलाओं के हित में योजनाएं लाने के लिए प्रेरित करती हैं। आज आपके दो भाई- नरेंद्र और नीतीश दोनों मिलकर आपकी सेवा, आपकी समृद्धि और आपके स्वाभिमान के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना भी इसी का उदाहरण है।

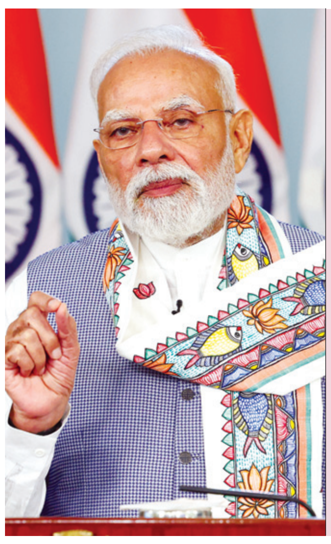

जन-धन योजना का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब कोई महिला रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान और बढ़ जाता है। मोदी ने कहा कि यदि 11 साल पहले जनधन योजना न चलाई गई होती और महिलाओं के बैंक खाते न खुले होते, तो आज इतने बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) संभव नहीं होता। उन्होंने कहा,बैंक खाते को मोबाइल से जोड़ने की वजह से ही बिना किसी बिचौलिए के यह राशि सीधे आपके पास पहुंची है। उन्होंने हाल ही में शुरू किए गए जीविका निधि साख सहकारी संघ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्यवस्था अब मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के साथ जुड़कर और अधिक प्रभावी होगी।

लखपति दीदी अभियान को नई मजबूती

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार के लखपति दीदी अभियान को भी नई मजबूती देगी। देश में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 'अब तक दो करोड़ से अधिक बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। उनकी मेहनत से गांव और समाज का चेहरा बदला है और परिवार का रुतबा भी बढ़ा है।' उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, ड्रोन दीदी अभियान, बीमा सखी अभियान और बैंक दीदी अभियान भी महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर 22 सितंबर से लागू जीएसटी दरों में कमी का भी उल्लेख किया।

कांग्रेस और राजद पर तीखे हमले

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में भ्रष्टाचार इतना गहरा था कि दिल्ली से भेजा गया एक रुपया भी पूरा लाभार्थी तक नहीं पहुंचता था। उन्होंने याद दिलाया, एक पूर्व प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से अगर एक रुपया भेजा जाता है तो केवल 15 पैसा ही जनता तक पहुंचता है, बाकी 85 पैसा पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपये आपके खातों में भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा कि राजद के शासनकाल में अराजकता, नक्सली हिंसा और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार बिहार की महिलाओं को झेलनी पड़ी।

दवाओं पर अमेरिकी शुल्क लगने से सेंसेक्स 733 अंक फिसला

MUMBAI@PTI : अगले महीने से दवाओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद शुक्रवार को फार्मा एवं आईटी शेयरों में भारी बिकवाली होने से स्थानीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में 733 अंक और निफ्टी में 236 अंक का नुकसान रहा। एक अक्टूबर से दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद अधिकांश दवा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई और बीएसई हेल्थकेयर सूचकांक 2.14 प्रतिशत नीचे आ गया। वॉकहार्ट के शेयरों में 9.4 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखने को मिली। बता दें कि ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, एक अक्टूबर, 2025 से हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंट-युक्त दवा उत्पाद पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जब तक कि कोई कंपनी अमेरिका में अपना दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित न कर रही हो।

रिम्स मामले में सरकार की ओर से हाईकोर्ट में फाइल नहीं किया गया एफिडेविट

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स में अव्यवस्था को लेकर पीआईएल मामले में राज्य की ओर से एफिडेविट जमा नहीं कराया गया है। अब हाईकोर्ट ने 9 अक्टूबर को होने वाली गवर्निंग बॉडी (जीबी) की मीटिंग भी आब्जर्वर रिटायर्ड जस्टिस अमरेश्वर सहाय की निगरानी में कराने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं आब्जर्वर के लिए राज्य सरकार को सभी इंतजाम करने के भी निर्देश दिए गए है। वहीं जीबी मीटिंग का एजेंडा सभी मेंबर्स के अलावा आब्जर्वर को भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। 10 अक्टूबर को पीआईएल मामले में अगली सुनवाई होगी। बता दें कि 19 सितंबर को हाईकोर्ट में पीआईएल मामले में सुनवाई हुई थी। इसमें एक हफ्ते के अंदर एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया गया था। एक हफ्ता बीत जाने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से कोई एफिडेविट जमा नहीं कराया गया। इससे पहले हाईकोर्ट के आदेश पर 13 सितंबर को जीबी की बैठक रिटायर्ड जस्टिस की निगरानी में हुई थी। इसमें हाईकोर्ट द्वारा बताए गए 16 एजेंडों पर चर्चा के बाद पास कर दिया गया था।

आईएएफ के लड़ाकू विमान मिग-21 ने भारतीय आसमान में आखिरी बार भरी उड़ान

- ■ छह दशकों से अधिक समय तक भारतीय वायु सेना को दी शानदार सेवा
- ■ रक्षा मंत्री की उपस्थिति में रूसी मूल के युद्धक विमान को दी गई भव्य विदाई
- ■ मिग-21 ने हमारी सैन्य विमानन यात्रा में जोड़ें कई गौरवपूर्ण क्षण : राजनाथ

CHANDIGARH@PTI : शुक्रवार को छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध लड़ाकू विमान मिकोयान-गुरेविच मिग-21 ने अंतिम बार भारतीय आकाश में उड़ान भरी और इसकी विदाई इतिहास और स्मृतियों में दर्ज हो गई। इस मौके पर सूरज चमक रहा था, आसमान साफ और चमकदार नीला था, जो 1960 के दशक में भारतीय वायुसेना में शामिल किए गए रूसी मूल के युद्धक विमान को भव्य विदाई देने के लिए एक आदर्श नजारा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिग-21 को एक शक्तिशाली विमान और राष्ट्रीय गौरव बताते हुए कहा कि इस विमान के प्रति गहरा लगाव है, जिसने हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया है। मंत्री ने कहा, 'मिग-21' केवल एक विमान या मशीन ही नहीं है, बल्कि यह भारत-रूस के मजबूत संबंधों का प्रमाण भी है। सिंह ने समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, सैन्य विमानन का इतिहास अद्भुत है। मिग-21 ने हमारी सैन्य विमानन यात्रा में कई गौरवपूर्ण क्षण जोड़े। उन्होंने कहा, विश्व के सैन्य विमानन के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में कोई लड़ाकू विमान नहीं बनाया गया है। सिंह ने कहा कि विश्व में 11,500 से अधिक मिग-21 विमान बनाए गए और उनमें से 850 लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना का हिस्सा बने। उन्होंने कहा, यह संख्या इस विमान की लोकप्रियता, विश्वसनीयता और बहुआयामी क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध, 1999 के कारगिल संघर्ष और 2019 के बालाकोट हवाई हमलों में इस विमान की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब मिग-21 ने अपनी निर्णायक क्षमता साबित की है।

एयर चीफ मार्शल ने भरी उड़ान

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने 'बादल 3' कॉल साइन वाले मिग-21 बाइसन विमान से उड़ान भरी। वर्ष 1981 में भारतीय वायुसेना प्रमुख बने दिलबाग सिंह ने 1963 में यहां पहली मिग-21 स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया था। मिग-21 विमानों के परिचालन का समापन एक औपचारिक फ्लाईपास्ट और भव्य समारोह के साथ हुआ, जो भारत की वायु शक्ति में एक ऐतिहासिक अध्याय के समापन का प्रतीक है। देश के पहले सुपरसोनिक लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान को चंडीगढ़ में सेवामुक्त कर दिया गया।

स्ट्रांग डिफेंस दुश्मन की हर ताकत को करारा जवाब देने का व्यापक प्लान

इंडियन आर्मी के ढांचे को और सशक्त बनाने का रोडमैप तैयार

PHOTON NEWS RESEARCH DESK : हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता ने साबित कर दिया कि दुश्मनों ने भारत की ओर आंख उठाई तो करारा जवाब मिलेगा। इस ऑपरेशन को सफल अंजाम तक पहुंचाने के समय कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। अब इनसे निपटने के लिए गंभीरता के साथ भारतीय सेना को और मजबूती प्रदान करने की रणनीति पर काम शुरू हो चुका है। केंद्र सरकार ने देश के अगले 15 सालों का रोडमैप तैयार करते हुए तीसरा परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत तैयार करने की योजना बनाई है। इसमें पहली बार नौसेना के स्वदेशी लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे समंदर में देश की ताकत बढ़ेगी। सामरिक प्रतिद्वंद्वियों- चीन और पाकिस्तान से किसी भी खतरे की स्थिति में भारतीय नौसेना अधिक ताकतवर होगी। भारत वर्तमान में दो विमानवाहक पोतों का संचालन करता है, एक रूस निर्मित और दूसरा स्वदेशी। प्रस्तावित विमानवाहक पोत परमाणु ऊर्जा से संचालित होगा। ऐसा भारत के लिए पहली बार होगा, ताकि लंबी दूरी तक पहुंच और गुप्त संचालन सुनिश्चित हो सके।

परमाणु सक्षम विमानवाहक पोत और स्वदेशी लड़ाकू विमानों से लैस होगी नेवी

- » ऐसा पहली बार होगा, ताकि लंबी दूरी तक पहुंच और गुप्त संचालन हो सके सुनिश्चित
- » वर्तमान में एक रूसी और एक स्वदेशी विमानवाहक पोत का किया जा रहा संचालन
- » रूस, फ्रांस और अमेरिका जैसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर कम की जा रही निर्भरता
- » आत्मनिर्भर भारत की नीति के तहत घरेलू रक्षा कंपनियों को दिया जा रहा अधिक मौका

■ तीनों सेनाओं की बेहतरी के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की साझेदारी की राह जरूरी

चुनौतियों के लिए मजबूत रणनीति

सेना की क्षमताएं बढ़ाने और रूस, फ्रांस और अमेरिका जैसे विदेशी आपूर्तिकताओं पर निर्भरता कम करने के लिए आत्मनिर्भर भारत के तहत घरेलू रक्षा कंपनियों को अधिक मौका दिया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के 2025 रोडमैप में कहा गया कि आगामी दशकों में बड़ी चुनौतियों और जिम्मेदारियों के मद्देनजर यह जरूरी है कि तीनों सेनाओं की तैयारी उसी तरह की हो। ऐसे में निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बेहतर साझेदारी ही सही राह है।

6.81 लाख करोड़ खर्च करने का बजट

रक्षा रोडमैप में दो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विमान लॉन्च सिस्टम खरीदने की भी योजना है। इन्हें अमेरिकी नौसेना के लिए पारंपरिक स्टीम कैटापल्ट के बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोर्स का इस्तेमाल करके विमानवाहकों से विमान लॉन्च करने के लिए विकसित किया गया है। रोडमैप में ड्रोन पर भी विशेष जोर दिया गया है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष में रक्षा पर लगभग 6.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का बजट रखा है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका, चीन और रूस के बाद भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश है।

बिहार के भविष्य को आकार देने में अपनी शक्ति पहचानें महिलाएं : प्रियंका गांधी

PATNA : शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने पटना के सदाकत आश्रम में लगभग 2000 महिलाओं को संबोधित किया और उनसे राज्य के भविष्य को आकार देने में अपनी शक्ति को पहचानने का आग्रह किया। शक्ति अधिकार कार्यक्रम में उन्होंने घरेलू कामगारों और आंगनबाड़ी कर्मचारियों से लेकर पेशेवर महिलाओं तक, सभी महिलाओं से कहा कि राजनीतिक दल नकद राशि देकर उनका वोट तो लेते हैं, लेकिन उन्हें सम्मान या अवसर नहीं दे पाते। प्रियंका ने कहा, आप अपनी शक्ति को नहीं पहचानतीं। लेकिन, पार्टियां पहचानती हैं।

नवरात्र की शुभकामनाएं

Fashion Curves
Boutique
"Feel your style"

Specialized In :
- Customised Dresses (Women's & Men's Wear)
- Wedding Wear
- Handwork
- Embroidery
- Christian Bridal

INSTALLMENT PAYMENT AT HEAVY GARMENT
24 घंटे में STITCHING FACILITY AS PER DESIGN
Uday Complex, H.B. Road, Tharpakna, Ranchi-834001
Mob. : 9470190566, 9639913196

दुर्गोत्सव की तैयारी में बारिश ने डाला खलल, कई पंडाल जमीन पर गिरे

भूली के साथ मटकुरिया रोड व सरायढेला में गिरा ढांचा

भूली में सड़क पर बिखरा पंडाल का मलबा

AGENCY DHANBAD : धनबाद में दुर्गाउत्सव की तैयारी में शुक्रवार की दोपहर आई आंधी और बारिश ने खलल डाल दिया है। बारिश की वजह से कई पूजा पंडालों को भारी नुकसान पहुंचा है। भूली बी ब्लॉक में तो पूरा का पूरा पंडाल ही उखड़ कर गिर गया। दो दिनों बाद शुक्रवार को पुनः हुई बारिश से धनबाद के मटकुरिया रोड पर बने विशाल पंडाल का लाइट गेट उखड़ कर सड़क पर गिर गया। इससे धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर कई घंटों तक जाम लगा रहा।

वहीं, सरायढेला में भी बारिश की वजह से पूजा पंडाल का तोरण द्वार गिर गया है। भूली के बी ब्लॉक का पूजा पंडाल भी बारिश की वजह से पूरी तरह से धरासाई हो गया है। यहां 110 फीट ऊंची तिरुपति बालाजी मंदिर की आकृति बनाई जा रही थी। लेकिन आंधी और बारिश की वजह से पूरा पंडाल ही जमीन से उखड़ कर गिर गया। पंडाल के गिरने की घटना की सूचना पर पहुंची भूली थाना की पुलिस ने धरासाई हुए पंडाल का निरीक्षण किया। इसके बाद थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने कहा कि मां दुर्गा की बहुत बड़ी कृपा रही कि यह पंडाल आज ही गिर गया, अन्यथा पंडाल में पूजा शुरू होने के बाद भीड़ के रहते यदि पंडाल गिर जाता, तो बड़ी घटना हो सकती थी।

आदित्यपुर में दुर्गा पूजा पंडाल का तोरणद्वार गिरा, बड़ा हादसा टला

एस टाइप के पूजा पंडाल का सड़क पर गिरा तोरणद्वार

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में एस टाइप स्थित सिंहभूम बॉयज क्लब के दुर्गा पूजा पंडाल का तोरणद्वार शुक्रवार को अचानक गिर गया। हादसे के वक्त वहां कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान अर्धनिर्मित तोरणद्वार भरभरा कर गिर पड़ा। गुरुवार देर शाम ही राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह ने इस पंडाल का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि तोरणद्वार गिर गया। घटना के बाद लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे कारीगरों की लापरवाही बता रहे हैं, तो कुछ इसे अनिष्ट का संकेत मान रहे हैं। फिलहाल पूजा समिति युद्धस्तर पर तोरणद्वार को पुनः खड़ा करने में लगी है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और पूजा की व्यवस्था प्रभावित न हो।

गजराज का आतंक : अधेड़ को कुचल कर मार डाला

घटनास्थल पर पंचनामा बनाती पुलिस

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र में गजराज का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरूवार शाम को खेतों की तरफ गए अधेड़ किसान की हाथियों के झुंड ने कुचल कर मार डाला। हाथियों का तांडव लगातार जारी है । दूसरी तरफ हाथियों के तांडव के आगे वन विभाग नतमस्तक हो गया है। एक सप्ताह में हाथियों के झुंड ने दो लोगों को कुचल कर मार डाला। इससे ग्रामीणों में दहशत है। बताया जाता है कि कैरो थाना क्षेत्र के कैरो गांव निवासी 50 वर्षीय पंचम उरांव जोंजरो नामनगर पतरा की तरफ गया हुआ था। इसी बीच पतरा में मौजूद हाथियों के चंगुल में फंस गया। हाथियों के झुंड ने अधेड़ पंचम उरांव को कुचल कर मार डाला। घटना की जानकारी शुक्रवार दोपहर बाद ग्रामीणों को मिली इसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे । कुडू थाना को सूचना दी। कुडू थाना के अविनाश सिंह तथा पुलिस जवान मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। हाथियों के झुंड की ओर से अधेड़ किसान को कुचल कर मार डालने की घटना के बाद ग्रामीणों में वन विभाग को लेकर गुस्सा चरम पर पहुंच गया है। वन विभाग मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है।

BRIEF NEWS

ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते रंगेहाथ धराया

CHATRA : पत्थलगड्डा थाना अंतर्गत ग्राम लेम्बाईया के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते एक व्यक्ति रंगेहाथ धराया। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया के नेतृत्व में एक विशेष दल गठित कर छापेमारी की गई। इस दौरान लेम्बाईया जाने वाली सड़क पर तालाब के पास एक व्यक्ति को 12.1 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

श्रद्धा दास के पहले बांग्ला गीतों की पूजा में रहेगी धूम

JAMSHEDPUR : झारखंड, बंगाल व ओडिशा में प्रसिद्ध और सारेगामापा लिटिल चैंप व वॉयस ऑफ इंडिया मंच पर अपनी धाक जमाने वाली शहर की गायिका श्रद्धा दास (पिता रमेश दास-म्यूजिशियन) का बांग्ला में पहला धार्मिक गीत मां दुर्गा के नाम आया है। इसकी रिकॉर्डिंग व शूटिंग 13 सितंबर को कोलकाता के पार्क स्ट्रीट में हुई। रीमिक्स उत्पल दास एवं कंपोजिशन रमेश दास (म्यूजिशियन एवं लोकप्रिय ढोलक वादक) ने किया है। श्रद्धा दास के मामा व समाजसेवी श्रीकांत देव ने बताया कि इस बार कोलकाता के अलावा जमशेदपुर के पूजा पंडालों में श्रद्धा दास के बांग्ला गीत सुनाई देंगे।

वज्रपात से मवेशी चरा रहे दो भाइयों की मौत

BERMO : बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड में शुक्रवार की शाम वज्रपात से मवेशी चरा रहे दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। यह घटना ऊपरघाट स्थित पलामू पंचायत अंतर्गत सरैयादाह में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि पलामू के छोटकीकुड़ी निवासी बाबूलाल किस्कु के पुत्र शनिचर किस्कु (40) एवं चेतलाल किस्कु (45) निकट के सरैयादाह में मवेशी चरा रहे थे। शाम लगभग चार बजे तेज बारिश होने पर दोनों भाई एक पेड़ के नीचे एक छाता के सहारे पानी से बच रहे थे। इसी बीच वज्रपात से दोनों भाई चपेट में आ गए और उनकी मौत मौके पर ही हो गई। जबकि बगल में खड़ी सूरजी देवी (50) नामक महिला वज्रपात से जख्मी हो गई। सूचना पर नावाडीह बीडीओ प्रशांत कुमार हेम्ब्रम घटनास्थल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पेंक नारायणपुर थाना की पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए दोनों शवों को भेजा, जबकि महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावाडीह पहुंचाया।

अनाथ युवती से आदेशपाल ने ली घूस, लौटाया

GUMLA : पालकोट के अंचल कार्यालय में शुक्रवार को आदेशपाल बिरसा बड़ाईक को मुआवजा राशि के लिए भटक रही एक अनाथ युवती से पैसे लेते पकड़ा गया। मामला सतखारी सवना टोली की सुषमा कुमारी से जुड़ा है। उसके पिता का निधन पहले ही हो चुका था और चार माह पूर्व मां की मौत सांप के काटने से हो गई थी। इसके बाद से ही युवती मुआवजा राशि पाने के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही थी। आरोप है कि आदेशपाल ने उससे पे-आईडी बनाने के नाम पर घर का चावल बिकवाकर नकद 200 रुपये लिया, फिर एक देसी मुर्गा व शराब की मांग भी की। शुक्रवार को जब पीड़ित युवती ने अपनी शिकायत प्रखंड प्रमुख सोनी लकड़ा और विधायक प्रतिनिधि मनीष साहू के समक्ष रखी तो दोनों ने आदेशपाल को फटकार लगाई। दबाव के बाद बिरसा बड़ाईक ने युवती से ली गई राशि वापस कर दी।

फूड सेफ्टी विभाग का छापा कार्निवल रेस्टोरेंट हुआ सील

रेस्टोरेंट को सील करता कर्मचारी

AGENCY DHANBAD : धनबाद स्वास्थ्य महकमा के फूड सेफ्टी विभाग ने शुक्रवार को मेमको मोड़ स्थित कार्निवल रेस्टोरेंट पर छापा मारते हुए रेस्टोरेंट को सील कर दिया है। साथ ही विभाग फूड सेफ्टी एक्ट 2006 के तहत रेस्टोरेंट पर कार्रवाई भी करेगी। इस संबंध में फूड सेफ्टी अधिकारी राजा कुमार ने शुक्रवार को बताया कि 24 मार्च 2023 से ही इस कार्निवाल रेस्टुरेंट का लाइसेंस फेल था। इसके बाद भी रेस्टुरेंट को लगातार संचालित किया जा रहा था। इसी दौरान सूचना मिली की रेस्टोरेंट में हुक्का सहित अन्य मादक पदार्थ परोसे जा रहे है। इसी सूचना पर आज रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया गया तो पाया गया कि सूचना सही थी। रेस्टोरेंट में ग्राहकों को हुक्का और अन्य मादक वस्तुए परोसे जा रहे थे। इसके बाद फूड सेफ्टी विभाग के कर्मियों ने रेस्टोरेंट से हुक्का और चिलम जब्त कर लिया। इसी क्रम में विभाग के कर्मी राहुल कुमार पासवान के साथ रेस्टोरेंट के मैनेजर सहित अन्य कर्मचारियों ने दुर्व्यवहार करते हुए उनसे हुक्का और चिलम को छीन कर गायब कर दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल रेस्टोरेंट को सील किया जा रहा है। इसके बाद इसके खिलाफ फूड सेफ्टी एक्ट 2006 के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

दनुआ घाटी में बनाया जाएगा एनफोर्स प्वाइंट

HAZARIBAG : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वैद्यनाथ कामती की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिलास्तरीय हिट एंड रन समिति की बैठक हुई। इसमें दनुआ घाटी क्षेत्र में बार–बार हो रही सड़क दुर्घटना की रोकथाम के लिए अस्थायी एनफोर्स प्वाइंट स्थापित किए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक प्रखंड में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में निगरानी समिति का गठन किया जाएगा। यातायात पुलिस को ओवरस्पीड तथा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि गुड समरिटन (दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने वाले सहयोगी नागरिकों) को प्रोत्साहित करने की पहल की जाए। बैठक में पथ निर्माण विभाग हजारीबाग एवं बोकारो, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पशुओं से लदी पिकअप वैन पकड़ाई चालक-खलासी को भेजा गया जेल

एक अन्य अभियुक्त हो गया फरार, पुलिस कर रही छापेमारी

पिकअप वैन में लदे पशु • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने गोवंशीय पशुओं की तस्करी करते एक पिकअप वैन को पकड़ा। वैन में चार गोवंशीय पशु थे। गिरफ्तार चालक और खलासी को न्यायिक हिरासत में चाईबासा जेल भेज दिया गया, जबकि उक्त मामले में एक अभियुक्त फरार है। जानकारी के अनुसार, चक्रधरपुर थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली था कि अज्ञात गोवंशीय पशु तस्कर, एक पिकअप वैन से पशुओं को चक्रधरपुर से सोनुआ की ओर ले जा रहे हैं। इस सूचना पर आवश्यक कारवाई करते हुए शुक्रवार की सुबह चक्रधरपुर थाना गेट के पास उक्त वैन को पकड़ा गया। पिकअप वैन में 4 पशु लादे गए थे। पिकअप वैन के चालक शरत चंद्र महांता (41), पिता श्रीकांत महांता, माछभांडा चिनामालीपोसी, थाना- घाटगांव, जिला क्योंझर (ओडिशा) एवं पिकअप वैन के खलासी लक्ष्मण बारिक (36), पिता गोबिंदा बारिक, ग्राम दानियाबार रक्षीपुर, थाना- जाजपुर रोड, जिला- जाजपुर (ओडिशा) को गिरफ्तार किया गया। जबकि, एक अन्य अभियुक्त नितीश यादव, कुदलीबाड़ी, चक्रधरपुर फरार है। इस संबंध में चक्रधरपुर के थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

पलामू में आकाशीय बिजली गिरने से बच्ची की हुई मौत

घटनास्थल पर संवेदना जताने पहुंचे लोग

AGENCY PALAMU : जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुटार के मायापुर के चाड़ो गांव में गुरुवार शाम आकाशीय बिजली गिरने एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक झुलस गई। दो बाल बाल बच गए। घटना के समय चारों बच्चे बारिश के पानी से बचने के लिए नीम के पेड़ के नीचे खड़े थे। शुक्रवार सुबह बच्ची के शव का अंतिम संस्कार किया गया। घायल बच्ची का इलाज चल रहा है। मृतक बच्ची की पहचान मनीता कुमारी (6), पिता वीरेंद्र भुइयां के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मनीता कुमारी और चार बच्चे चाड़ो गांव में घर के पास खेल रहे थे। अचानक मौसम बदला और बारिश होने लगी। सारे बच्चे नीम के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी क्रम में अचानक आकाशीय बिजली गिरने से मनीता कुमारी और एक अन्य बच्ची चपेट में आ गए। दोनों को इलाज के लिए बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, जहां मनीता कुमारी को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि एक अन्य बच्ची का इलाज किया गया। घटना मृतक बच्ची के घर से 100 फीट की दूरी पर हुई। घटना की जानकारी मिलने पर शुक्रवार को रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह, हुटार के पंचायत समिति सदस्य पति सह समाजसेवी मनोज प्रसाद और मुखिया पति नागेंद्र राम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी एवं अन्य ने प्रभावित परिवार को बच्ची के शव को पोस्टमार्टम करने की सलाह दी, ताकि आपदा के तहत सहायता राशि दी जा सके लेकिन मनीता के परिजन पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। थाना प्रभारी ने इस संबंध में लिखित जानकारी लेकर परिजन को दाह संस्कार कर देने की सलाह दी।

दो बच्चों की मां से किया दुष्कर्म दबोचा गया आरोपी

JAMTARA : करमाटांड़ थाना क्षेत्र के एक गांव में दो बच्चों की मां से पास के ही गांव के एक युवक ने दुष्कर्म किया। घटना गुरुवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। आदिवासी महिला अपने दोनों बच्चों के साथ घर में सो रही थी। इसी दौरान रात करीब 10 बजे नावाडीह गांव का रहने वाला मिराज अंसारी उसके घर में घुस गया। मिराज ने महिला को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने जब शोर मचाया तो काफी संख्या में गांव में लोग मौके पर जुट गए और आरोपी को दबोच लिया। सूचना मिलते ही आसपास के लोग जुटने लगे, तो पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जामताड़ा कोर्ट भेज दिया। पीड़ित महिला के बयान पर करमाटांड़ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

औचक निरीक्षण में लिए सब्जी मिठाई व खाद्य पदार्थों के नमूने

सब्जी मंडी में जांच-पड़ताल करते अधिकारी • फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उपायुक्त एवं अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ. शशि जायसवाल के निर्देश पर शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन ने हजारीबाग की सब्जी मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकान से नए आलू, मिठाई दुकान से काजू बर्फी व सोनपापड़ी का नमूना लिया।

सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, नामकुम-रांची भेजे जाएंगे। इन खाद्य नमूनों में यदि मिलावट की पुष्टि हुई तो कार्रवाई की जाएगी।

पर्व-त्योहार गिरिडीह शहर में करीब 200 वर्ष पूर्व टिकैत राजाओं ने शुरू की थी आराधना

अद्भुत है श्रीश्री आदि दुर्गा मंडा 'बड़ी मईया' का दरबार

पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा

PHOTON NEWS GIRIDIH : भारतीय सनातन संस्कृति के बड़े त्यौहारों में नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रों की बडी महिमा है। इन दिनों पूरा देश आदि शक्ति की उपासना में लीन है। इस वर्ष 22 सितंबर से चल रहे नवरात्र में गजराज पर मां के आने के खुशी में पूरा माहौल भक्तिमय है। झारखंड के गिरिडीह इलाके में शक्ति, साधना का यह पर्व करीब दौ सौ वर्षो से मनाया जा रहा है। 18 वीं शताब्दी के उतरार्द्ध में टिकैत (राजाओं) ने अपनी रियासतों में जगतजननी की आराधना शुरू की थी। शाही खजाने सें देवी मंडपों में बड़े ही धूमधाम से मां दुर्गा पूजा का अनुष्ठान सम्पन्न होता था। इस दौरान कई इलाकों में लगने वाले मेलों में आसपास के कई गांवों के लोग शामिल होते थे। कलान्तर में लगभग दुर्गा मंडप भव्य भवनों में परिवर्तित हो गये हैं। जो स्थानीय लोगों के हृदय में तीर्थो के समान है। सभी दुर्गा मंडपों की अपनी अलग अलग विशेषता है। जहां भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती हैं। लोक आस्था से जुडे देवी मंडपों में भक्त सुख-दुःख में सबसे पहले इन्ही देवी मंडपों में आकर मत्था टेकते है और नवरात्रों में शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की वंदना कर मनचाही मुराद पाते है। मातारानी भी अपने भक्तों की हर मनोकामनाएं पूरी करती हैं। क्षेत्र के लोगों के मुताविक श्री श्री आदि दुर्गा (बड़ी मां) पचम्बा गढ़ दुर्गा मंडा, बरगंडा काली मंडा, मंगरोडीह, बनियाडीह, भोरनडीहा, सैन्ट्रलपीठ, मोहनपुर बोड़ो, पपरवाराटाड़ सहित गिरिडीह के आस पास स्थित दुर्गा मंडपों में जगत जननी निःसंतान दम्पतियों को संतान सुख, कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर, रोगी को स्वस्थ काया, बेरोजगारों के हाथों को काम, केस मुकदमों में सफलता सहित नाना प्रकार की पीड़ा से मुक्त कर भौतिक सुखों का आशीर्वाद देती हैं। गिरिडीह शहर में भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करने वाली श्रीश्री आदि दुर्गा बड़ी मईया का दरबार अद्भुत है। नवरात्र के इन पावन दिनो में बड़ी मां अपने भक्तों को स्वभाविक स्वरूपों की मुद्रा में आशीर्वाद देती हैं। इन दिनों दूर दराज से काफी संख्या में लोग बड़ी मां के दरबार में पहुंचकर स्वभाविक रूपों का दीदार कर मत्था टेकने, मन्नतें मांगने आते हैं। कहते हैं कि माता के इस दरबार की महिमा निराली है। माना जाता है कि सरल मन से माता के मुखमंडल की आभा को निहारने वाले भक्तो को स्वतः महसूस होता है कि माता रानी स्वभाविक मुद्रा में आशीष दे रही हैं। बड़ी मां के दरबार की विशेषता है कि महासप्तमी से विजया दशमी तक माता के मुखमंडल के भाव बदलते हैं। आदि शक्ति बड़ी मां अपने भक्तों को बदलते स्वरूपों का जीवंत एहसास कराती हैं। महासप्तमी को ममतामयी मां के सुन्दर सलोने रूप के मुखमंडल का भाव बेटी के अपने मायके पहुंचने के बाद जैसा होता है। महाअष्टमी और नवमी को मां का आकर्षक और तेज मुखमंडल की आभा धेर्य के साथ जीवन जीने का संदेश देने के मुद्रा में रहता है। विजयादशमी को माता के आलौकिक मुखमंडल की आभा अत्यंत शांत , सौम्य और अपनों से बिछुड़ने की पीड़ा दशार्ती दिखायी देती है। मानो ऐसा प्रतीत होता है कि मां के निर्मल हृदय में अपने भक्तों से एक वर्ष के लिए. बिछुड़ने का भाव है और विदाई की बेला में मां के हजारों भक्त कांधे पर विर्सजन के लिए ले जाते है तो माता के सौम्य मुख मंडल पर विरह की पीड़ा स्पष्ट रूप से महसूस की जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि आधुनिकता के इस दौर में भी श्री श्री आदि दुर्गा मंडप में प्रतिमा गढ़ने में सांचों का उपयोग नहीं होता है। मूर्तीकार अपने हाथों से प्रतिमा गढ़कर भक्तों को जीवंत रूपों में जगत जननी के दर्शन कराते हैं।

श्रीश्री आदि दुर्गा मंडा बडी मां के सदस्य उमाचरण दास और विजय गुप्ता ने कहा कि माता की महिमा को लेकर अपने अभिभावकों से सुनते रहे है। हम खुद भी मईया का चमत्कार महसूस करते रहे है । यहां के लोग भी माता के महिमा का बखान करते है।

BRIEF NEWS

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संजय सेठ ने बांटे जूट के थैले

RANCHI : रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अपने निर्वाचन क्षेत्र रांची में जूट के थैलों का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने देशवासियों से रोजमर्रा के कार्यों में कपड़े के थैलों का उपयोग करने का आह्वान किया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है। हम अधिक से अधिक कपड़े की थैली का उपयोग करें, यह आह्वान प्रधानमंत्री ने देशवासियों से की है। उन्होंने कहा कि उनका भी यह प्रयास है कि रांची लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक घर-परिवार तक जूट का थैला पहुंचे। लोग प्लास्टिक मुक्त अभियान में अपनी सहभागिता निभाएं। संजय सेठ ने कहा कि हर घर तक इस संदेश के साथ हमें पहुंचना है, ताकि विकसित भारत-2047 में हमारा भारत प्लास्टिक से भी मुक्त हो। हम अपने पर्यावरण को संरक्षित कर सकें और अपनी पीढ़ियों को प्रदूषण से मुक्त जीवन दे सकें।

कुरमी को एसटी में शामिल करने के विरोध में हुंकार महारैली 17 अक्टूबर को

RANCHI : कुरमी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने के विरोध में आगामी 17 अक्टूबर को आदिवासी हुंकार महारैली का आयोजन प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में किया जाएगा। यह घोषणा शुक्रवार को रांची में आदिवासी बचाओ मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों की धार्मिक और सांस्कृतिक संगठन की हुई बैठक में की गई। बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए आदिवासी जन परिषद केंद्रीय अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा ने बताया कि कुड़मी-कुरमी जाति की ओर से एसटी बनने की मांग पूरी तरह आंदोलन मूल आदिवासियों के संवैधानिक-अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आरक्षण, जमीन और आदिवासियों की गौरवशाली संघर्षशील इतिहास को हड़पने की मंशा से प्रेरित है। यह मांग आदिवासियों को हाशिए में डालने की एक बहुत बड़ी साज़िश है।

अनिकेत बने झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के कोषाध्यक्ष

RANCHI : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की बैठक में संगठनात्मक मजबूती और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए संघ के अध्यक्ष अजय राय ने अनिकेत सिंह को संघ का नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि संगठन की आर्थिक व्यवस्था और पारदर्शिता को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। हमें विश्वास है कि अनिकेत सिंह अपनी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ संघ की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस निर्णय का स्वागत किया।

हेयर क्लिप और चाइनीज स्टिक का हथियार की तरह हो सकता है इस्तेमाल

- रांची की महिलाओं में सेल्फ डिफेंस की तकनीक सीखने का बढ़ रहा क्रेज
- कराटे के साथ डेली यूज की चीजों को हथियार की तरह इस्तेमाल का सीख रहीं तरीका

VIVEK SHARMA RANCHI : आजकल महिलाओं के साथ छेड़खानी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आए दिन इस तरह के मामले भी सामने आते है। इसमें महिलाओं व छात्राओं के साथ छेड़खानी की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन, वे अपने को किसी तरह बचते बचाते चुपचाप निकल जाती हैं। वहीं कई महिलाएं और युवतियां तो अनहोनी का शिकार हो जाती हैं। उनके पास बचाव के लिए कोई हथियार नहीं होता। लेकिन, महिलाओं के ये जान लेना चाहिए कि सेल्फ डिफेंस के लिए केवल बंदूक होना ही जरूरी नहीं है। वे अपने पास मौजूद हेयर क्लिप, सेफ्टी पिन व हेयर स्टिक का इस्तेमाल बतौर 'हथियार' कर सकती हैं। इतना ही नहीं, इसके जरिए वे मनचलों से बखूबी मुकाबला कर सकती हैं। इसके लिए टेक्निक भी जानने की जरूरत है। कुछ ऐसी ही ट्रेनिंग रांची में महिलाएं ले रही हैं, ताकि वे खुद की सुरक्षा कर सके। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के टेक्निकल डायरेक्टर सुनील किस्पोट्टा युवतियों को छोटे-छोटे रोजमर्रा के सामानों से बचाव की टेक्निक सिखा रहे हैं। सेल्फ डिफेंस के लिए एक तिनका भी काफी है। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा के लिए हमेशा पर्स में भारी हथियार रखने की जरूरत नहीं। हेयर क्लिप, हेयर स्टिक और बाजार में मिलने वाली 'चाइनीज स्टिक' जैसी सामान्य चीजें भी सही तरीके से इस्तेमाल करें तो प्रभावी हथियार बन जाती हैं। इन वस्तुओं का सही ग्रिप और निशाना सीखना अहम है। एक छोटा सा प्रहार सामने वाले को भागने पर मजबूर कर सकता है।

KARATE
PLAYER

बचाव के लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस जरूरी

ट्रेनिंग के दौरान महिलाओं को ये भी बताया जा रहा है कि सेल्फ कांफिडेंस सबसे बड़ी चाबी है। आत्मविश्वास होने पर ही कोई महिला सामने वाले से टकराने की हिम्मत जुटा पाती है। ट्रेनिंग के दौरान सिर्फ स्ट्राइक और ब्लॉक नहीं, बल्कि सजगता, नजर बनाए रखना, आवाज लगाकर मदद मांगना और भीड़ की ओर भागने जैसी रणनीतियां भी सिखाई जा रही हैं। यहीं वजह है कि कराटे की ट्रेनिंग लेने वाली लड़कियां मुश्किल परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार कर रही है।

महिला कराटे खिलाड़ी सिखा रहीं तकनीक

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सेंसाइ मोहिनी रितिका टोप्पो पिछले 20 सालों से इमा में कराटे की ट्रेनिंग ले रही हैं। अब इन्हीं अनुभवों के बल पर वे न सिर्फ देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं बल्कि हजारों महिलाओं को कराटे सिखाकर उन्हें आत्मरक्षा के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। रितिका का कहना हैं कि मार्शल आर्ट केवल शारीरिक कला नहीं बल्कि आत्मविश्वास, सजगता और खतरे का सामना करने का मैनुअल भी है।

स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करे सरकार

सुनील किस्पोट्टा ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर कानून में धाराएं बढ़ायी जा रही है। लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना जो की कराटे के प्रशिक्षण से बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत सरकारी स्कूलों में लड़कियों को तीन महीने का कराटे प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण को पूरे साल के लिए किया जाना चाहिए। इसके अलावा सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में इसे अनिवार्य पाठ्यक्रम के तौर पर डालना चाहिए।

मार्ग तकनीकी समिति की बैठक में नगर प्रशासक ने दिया निर्देश

राजधानी में बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में सुचारू और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित मार्ग तकनीकी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को रांची नगर निगम में हुई। इसकी अध्यक्षता नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। नगर निगम की बाजार शाखा द्वारा प्रस्तावित नए पार्किंग स्थलों पर विचार किया गया। साथ ही तय हुआ कि अपर प्रशासक, उप प्रशासक, डीटीओ और पुलिस उपाधीक्षक संयुक्त रूप से इन स्थलों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के आधार पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। नगर प्रशासक ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर प्रशासक ने कहा कि रांची नगर निगम का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि नागरिकों को एक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक यातायात व्यवस्था भी देना है। हम पार्किंग प्रबंधन, अतिक्रमण हटाने, वैध रूट परमिट की अनिवार्यता और ट्रैफिक की वास्तविक समस्याओं पर काम कर रहे हैं। समिति की सिफारिशों पर शीघ्र अमल होगा।

अधिकारियों के साथ बैठक करते नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ●फोटोन न्यूज

- बाजार शाखा के प्रस्तावित नए पार्किंग स्थलों पर हुई चर्चा
- अपर प्रशासक, उप-प्रशासक, डीटीओ और डीएसपी संयुक्त रूप से इन स्थलों का करेंगे भौतिक निरीक्षण

अवैध अतिक्रमण पर रहेगी सख्ती

निगम की इनफोर्समेंट टीम और ट्रैफिक पुलिस को यह निर्देश दिया गया कि चिन्हित पार्किंग स्थलों पर किसी प्रकार का अवैध अतिक्रमण न हो। यदि ऐसा पाया जाता है, तो त्वरित कार्रवाई कर पार्किंग को व्यवस्थित किया जाएगा।

ट्रैफिक जाम पर करें अध्ययन

इस मार्ग पर लगातार लगने वाले जाम की समस्या पर चर्चा की गई। टीम को निर्देशित किया गया कि वे इस पूरे मार्ग का अध्ययन करें और ट्रैफिक समाधान हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करें। डीटीओ और ट्रैफिक विभाग को निर्देश दिया गया कि वे उन मार्गों पर गहन जांच करें जहां ऑटो और ई-रिक्शा चल रहे हैं। बिना वैध परमिट वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चौक-चौराहों पर टर्निंग प्वाइंट

कई स्थानों पर वाहनों के टर्निंग पॉइंट पर परेशानी की जानकारी सामने आई है। पुलिस विभाग, डीटीओ और नगर निगम के संयुक्त दल को ऐसे स्थलों की उपयोगिता का मूल्यांकन कर संयुक्त रिपोर्ट देने को कहा गया है, जिससे आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जा सकें।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, अधीक्षण अभियंता, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, नगर प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।

NEWS BOX

रांची नगर निगम ने सदर अस्पताल को दिए दो अंतिम यात्रा वाहन

RANCHI MUNICIPAL CORPORATION
SPONSORED BY JUIDCO
JH01GE8471

PHOTON NEWS RANCHI : नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर रांची नगर निगम ने शुक्रवार को दो अंतिम यात्रा वाहन सदर अस्पताल को दिया। इस कदम का उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को अंतिम संस्कार के समय आवश्यक और सम्मानजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। नगर निगम परिसर से इन वाहनों को प्रशासक सुशांत गौरव और सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर प्रशासक ने कहा कि नगर विकास मंत्री के नेतृत्व में रांची नगर निगम न केवल बुनियादी सुविधाएं दे रहा है, बल्कि संवेदनशील क्षणों में भी लोगों के साथ खड़ा है। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने राज्य सरकार और नगर निगम की इस पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह सेवा विशेष रूप से उन जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल बनेगी जो संसाधनों के अभाव में परेशान रहते हैं। मौके पर सदर अस्पताल के डीएस डॉ विमलेश सिंह, अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सहायक प्रशासक सहित नगर निगम के कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

एंटी क्राइम चेकिंग में लोडेड देसी कट्टा और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में अपराध पर लगाम लगाने को लेकर पुलिस अभियान चला रही है। इस कड़ी में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने लोडेड देसी कट्टा के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को जेल भेज दिया गया है। बता दें कि 25 सितंबर की रात को वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के तहत तुपुदाना थाना क्षेत्र के बारह माइल चौक के पास जांच की जा रही थी। इस दौरान खूंटी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक आर-15 मोटरसाइकिल को पेट्रोलिंग टीम ने रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल सवार ने वापस भागने की कोशिश की। लेकिन पहले से तैयार पुलिसकर्मियों ने जवानों की मदद से दोनों को मौके पर दबोच लिया।

तलाशी के दौरान बाइक चला रहे व्यक्ति के बैग से गमछे में बंधा एक लोडेड देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस मिला, जबकि दूसरे युवक की तलाशी में भी एक कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लुकस होरो और नितेश केरकेट्टा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में धुर्वा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस दोनों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। साथ ही यह भी पता लगाने में जुटी है कि इन अपराधियों की बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी तो नहीं थी।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जीत के लिए संघर्ष करते दिखे ग्रामीण खिलाड़ी

PHOTON NEWS RANCHI : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्ता तत्वावधान में आयोजित रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिला। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र के

खिलाड़ियों ने जीत हासिल करने के लिए जबरदस्त प्रतिभा और संघर्ष का प्रदर्शन किया। विशेषकर बालिका वर्ग में प्रतिभागियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रांची में जुआ अड्डे पर छापेमारी, 18 जुआरियों को किया गया गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में अपराध नियंत्रण को लेकर रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। सिटी एसपी पारस राणा की अगुवाई में अरगोड़ा थाना क्षेत्र के आनंदपुरी मोहल्ला स्थित राजकुमार साव के मकान में छापेमारी की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यहां संगठित तरीके से जुआ खेला जा रहा है। सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी, कोतवाली डीएसपी और अन्य थानों की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान मौके से 18 लोगों को ताश खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। इनके पास से नकद राशि, ताश की गड्डी और 14 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इन्हें किया गया गिरफ्तार

करण मेहरा, पिंटू पासवान, विकास यादव, रितिक यादव, बालेश्वर, दीपक कुमार सोनी, अजय कुमार, बबलू वर्मा, अजय कुमार यादव, सूरज कुमार, सोनू कुमार गुप्ता, सौरभ कुमार सिंह, हैप्पी कटारिया, संजीव साहू, राकेश मेहता, मोहित प्रजापति, राज साहू और धनंजय साहू।

अचानक बदला मौसम का मिजाज और शुरू हो गई झमाझम बारिश, सड़कों पर भरा पानी

- विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और एक अक्टूबर को भी बारिश की संभावना
- मौसम विभाग ने जताई वज्रपात की भी आशंका, जारी किया येलो अलर्ट
- पिछले 24 घंटे में पश्चिमी सिंहभूम के मंझरी में सर्वाधिक 21 मिलीमीटर दर्ज की गई वर्षा

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में दोपहर लगभग 1:30 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और बादलों के भारी गर्जन के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। एक घंटे की तेज बारिश में शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। रुक-रुक कर देर रात तक कभी तेज, तो कभी मध्यम दर्जे की बारिश होती रही। इस बीच रांची मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि झारखंड के विभिन्न जिलों में 30 सितंबर और एक अक्टूबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान राज्य के कई इलाकों में गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मंझरी में 21 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 34.6 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

दुर्गोत्सव सजावट में राफेल लड़ाकू विमानों और अत्याधुनिक टैंकों को किया गया शामिल

महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में झलका ऑपरेशन सिंदूर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में पूजा पंडालों के पट खुलने शुरू हो चुके हैं। माहौल भक्तिमय दिखने लगा है। इस बार नवरात्र में राजधानी भक्ति और देशभक्ति के रंग में रंगी दिखाई दे रही है। बूटी मोड़ स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति ने इस साल अपना भव्य दुर्गा पूजा पंडाल ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर बनाया है। पंडाल का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह से लेकर देर रात तक यहां भक्तों का तांता लगा रहा। लोग न सिर्फ मां दुर्गा के दर्शन कर रहे हैं, बल्कि देश की सुरक्षा और शौर्य की झलक दिखाती इस अनोखी थीम को देखकर गर्व भी महसूस कर रहे हैं। इस पंडाल में भारतीय सेना के पराक्रम को जीवंत रूप दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर को बारीकी से दर्शाते हुए पंडाल सजाया गया है। पहलगाम में आतंकियों के हमले का दृश्य, उसके बाद सेना के शौर्य और फिर राफेल लड़ाकू विमान की ताकत, सब कुछ इसमें दिखाया गया है। समिति ने थीम को इस तरह प्रस्तुत किया है कि श्रद्धालुओं को न केवल धार्मिक आस्था का अनुभव हो रहा है, बल्कि देश की सेना और सुरक्षा बलों की वीरता पर भी गर्व हो रहा है।

खुल चुका है पंडाल का पट श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़

देश की सुरक्षा और शौर्य की झलक देख गर्व महसूस कर रहे श्रद्धालु

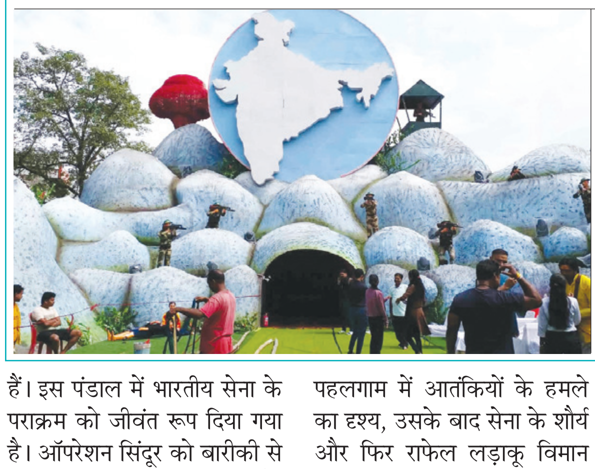

पूजा और देशभक्ति का अनोखा संगम

भक्तों का कहना है कि यहां पूजा और देशभक्ति का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु दिन में भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, जबकि शाम ढलते ही पंडाल परिसर में भारी भीड़ उमड़ जाती है। रोशनी से जगमगाता पूरा पंडाल दूर से ही आकर्षित कर लेता है। महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति के महासचिव उमेश ने बताया कि इस बार राजधानी के लोगों के लिए कुछ नया और खास दिखाने की योजना बनाई गई थी।

पंडाल के बाहर-भीतर सुरक्षा के पुख्ता इंतजार

पंडाल के बाहर और भीतर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। समिति के स्वयंसेवक भीड़ को नियंत्रित करने में लगे हैं. वहीं पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के दर्शन कर सकें। स्थानीय लोग और श्रद्धालु इस अनोखे थीम पंडाल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे पंडाल न सिर्फ धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं बल्कि समाज में देशभक्ति की भावना को भी बढ़ाते हैं।

सूरज पब्लिक स्कूल में डांडिया गरबा कार्यक्रम में झूमे बच्चे

PHOTON NEWS RANCHI : कटहल मोड़ स्थित सूरज पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को डांडिया-सह-गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक, अभिभावक और स्कूल स्टाफ ने भाग लिया। संस्था के निदेशक दिनेश कुमार ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक और शारीरिक विकास भी जरूरी है। स्कूल में नृत्य, संगीत, कराटे और स्मार्ट क्लासेस की भी व्यवस्था की गई है। शिक्षिका छंदा प्रसाद ने बताया कि स्कूल समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित कर बच्चों को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास करता है। वहीं शिक्षक महेंद्र कुमार ने बताया कि बच्चों को एजुकेशनल टूर पर ले जाया जाता है ताकि उनका बौद्धिक विकास हो सके।

रंगीलो रास-डांडिया नाइट में गरबा की धुन पर थिरके कदम

RANCHI : मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा की ओर से स्वर्णभूमि बैंक्वेट हॉल में शुक्रवार को रंगीलो रास डांडिया नाइट कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही धूमधाम और उल्लास के बीच संपन्न हुआ। मौके पर सैकड़ों सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा और डांडिया की ताल पर थिरकते नजर आए। ढोल-नगाड़ों की गूंज और आधुनिक गीत संगीत की धुन पर सबों ने डांडिया की मंडली में हिस्सा लिया। यह जानकारी संगठन के प्रवक्ता राघव जालान ने दी। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं का उत्साह और सांस्कृतिक परंपरा का संगम ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से समाज में आपसी मेलजोल और संस्कृति के प्रति सम्मान बढ़ता है।

बहरागोड़ा : सड़क हादसे में मां-बेटी सहित तीन की मौत

कोलकाता से जमशेदपुर जा रहे थे कार सवार, मारी टक्कर

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-18 पर झरिया मोड़ के पास गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में मां-बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, कोलकाता से जमशेदपुर की ओर आ रही एक मारुति स्विफ्ट कार (डब्लूबी 51सी7151) सामने चल रहे 14 चक्का ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह ट्रक के नीचे फंस गई और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कोलकाता के चक्रबाड़िया रोड निवासी चालक गणेश रॉय (50), जमशेदपुर के कदमा प्रथिक बिहार निवासी कुसुमिता पटनायक (55) और उनकी बेटी मोनिका पटनायक (28) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही बहरागोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मशक्कत कर तीनों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच पड़ताल कर रही है।

घटनास्थल पर ट्रक के नीचे फंसी कार • फोटोन न्यूज

गालूबासा में युवक ने पेड़ पर लगाई फांसी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के पांड्रासाली ओपी थाना अंतर्गत गालूबासा गांव में एक युवक ने पेड़ पर फांसी लगा ली। गुरुवार की रात 26 वर्षीय टूरा गोप नामक युवक का शव घर से करीब आधा किलोमीटर दूर पेड़ पर लटका मिला। मृतक टूरा गोप के दो छोटे बच्चे हैं। उसकी पत्नी गर्भवती है। मृतक के चाचा मुनिलाल गोप ने बताया कि टूरा गोप की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पांड्रासाली ओपी के प्रभारी मृणाल कुमार ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दरवाजे की कुंडी में सबर युवक ने लगाई फांसी, मौत

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र में सिमलडांगा गांव निवासी रमेश सबर ने अपने घर के दरवाजे की कुंडी में चादर के सहारे फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने के कारण घाटशिला के अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी ने पुलिस को विशेषज्ञ चिकित्सकों से पोस्टमॉर्टम कराने की सलाह दी। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी शिवानी सबर ने बताया कि गुरुवार की दोपहर पति के साथ झगड़ा होने पर पति ने उसे खूब मारा था। नाराज होकर उसने कहा कि काम धंधा कुछ करते नहीं हो, दिन भर मारपीट और झगड़ा करते हो, मैं तुम्हारे साथ नहीं रहूंगी। यह कह कर शिवानी अपने दो छोटे बेटे को घर पर सास-ससुर के पास छोड़कर खेत में काम करने चली गई। मजदूरी करके घर लौटी तो देखा कि पति फंदे पर लटक रहा था। शिवानी ने बताया कि उसके पास खाने तक का पैसा नहीं है। यदि चिकित्सक पोस्टमॉर्टम नहीं करेंगे, तो मैं अपने पति का शव लेकर घर चली जाऊंगी। शिवानी के साथ उसकी मां जोबा सबर भी अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम की प्रतीक्षा कर रही है। चाकुलिया थाना की पुलिस ने कहा कि यह आत्महत्या है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

कुड़मियों की मांग के खिलाफ जगन्नाथपुर में निकाली रैली

कुड़मी / महतो आदिवासी
शामिल करके
विरुद्ध में
रैली में नारेबाजी करते कोल्हान आदिवासी अधिकार मंच के सदस्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान आदिवासी अधिकार मंच के बैनर तले शुक्रवार को जगन्नाथपुर में विशाल रैली निकाल कर कुड़मी-महतो की आदिवासी बनने की मांग के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया। रैली जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के पास से निकल कर जगन्नाथपुर मुख्य बाजार, रहीमाबाद, मौलानगर होते हुए अनुमंडल कार्यालय तक पहुंची।

अनुमंडल कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनुमंडल पदाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि झारखंड प्रदेश में निवासरत कुड़मी-महतो जाति को एसटी सूची में शामिल नहीं किया जाए। आदिवासी तो जन्म से होता है, बनाया नहीं जाता है।

ज्ञापन में आगे कहा गया कि 1913 में छोटानागपुर के कुड़मी-महतो जाति को एबोर्जिनल ट्राइबल की सूची में शामिल किया गया था। और 1929 ई में मुजफ्फरपुर में संपन्न अखिल भारतीय कुड़मी क्षत्रिय महासभा में कुड़मी जनप्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर कर अपने को क्षत्रिय घोषित किया था। सन 1950 में राष्ट्रपति द्वारा कुड़मी-महतो जाति को पिछड़ा जाति का दर्जा देकर एसटी की सूची से हटा दिया गया।

रैली में पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष देवेंद्र नाथ चाम्पिया, मंच के संयोजक लक्ष्मी नारायण गागराई, विपिन हेमब्रम, निर्मल सिंकु, मंजीत कोड़ा, समियल लागुरी, सोमा कोड़ा, भूषण लागुरी, सीताराम लागुरी सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे।

समाचार सार

राष्ट्रपति से सम्मानित हुए एनएमएल के वैज्ञानिक

JAMSHEDPUR : सीएसआईआर-एनएमएल के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रंजीत कुमार सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को सम्मानित किया। डॉ. सिंह को यह सम्मान खनिज संवर्धन और सतत खनिज विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए खनिज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार 2024 से सम्मानित डॉ. सिंह ने लौह एवं अलौह धातु अयस्क/खनिज तथा कोयले के संवर्धन के लिए प्रक्रिया प्रवाह-पत्र (प्रोसेस फ्लोशीट) विकसित किया है। डॉ. रंजीत कुमार सिंह सीएसआईआर प्रौद्योगिकी पुरस्कार-2022 तथा रमन रिसर्च फेलोशिप-2024 सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

चाईबासा में चला स्वच्छोत्सव

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के चाईबासा शहरी क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पोस्टऑफिस से सदर बाजार व सदर अस्पताल के मुख्यद्वार पर चलाया गया। स्वच्छोत्सव नामक कार्यक्रम में डीसी चंदन कुमार, डीडीसी संदीप कुमार मीणा, एसडीओ सहित नगर परिषद चाईबासा, कार्यपालक अभियंता स्वच्छता प्रमंडल सहित जिला प्रशासन और चैंबर के पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वच्छता ही सेवा 2025
"स्वच्छोत्सव"

नन्हे-मुन्नों ने मनाई नवरात्र

GHATSILA : गोपालपुर स्थित किड्जी स्कूल में शुक्रवार को नन्हे-मुन्नों ने नवरात्र मनाई। कार्यक्रम की शुरूआत नर्सरी के स्वाति महातू व आद्विक सिंह ने मां दुर्गा की उपासना से की। यूकेजी की बच्ची ने मां दुर्गा के नौ रूपों का वेश धरकर उनका आह्वान किया। काव्या, त्रिधा सिंघा तथा शांभवी सिंह ने आईगिरी नंदिनी... गीत पर नृत्य किया। छात्र नैमिष राज, अमृतांश गोराई, यशस्वी सिंह व आदित्य सिंह ने बांग्ला गीत पर नृत्य किया। स्कूल के सभी बच्चों ने गरबा नृत्य का आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अनु जाईसी ने किया, जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में कनक लता, इंद्राणी राय, लिली बोस, सुजाता मजूमदार,अनु जायसी आदि शिक्षिका सक्रिय रहीं।

केयू में याद किए गए दिनकर

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में शुक्रवार को रामधारी सिंह दिनकर की जयंती के साथ शिक्षक दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. भारती कुमारी ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने हर प्रकार के शोषण-दमन अन्याय एवं अत्याचार के विरुद्ध कालजयी रचनाएं कीं। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि दिनकर महात्मा गांधी के राजनीतिक दर्शन और अहिंसक आंदोलन से प्रभावित थे। उन्होंने गांधी के विचारों को अपने काव्य में व्यक्त किया। छात्रा माधुरी लागुरी ने रश्मिरथी के कुछ अंश का पाठ किया।

स्नातकोत्तर हिंदी विभाग

अर्का जैन में धूमधाम से मना नवोत्सव

JAMSHEDPUR : अर्का जैन विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'नवोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन में अंग्रेजी विभाग की ओर से लिटरेरी फेस्ट भी हुआ। उत्सव का उद्घाटन टाटा मोटर्स के वरिष्ठ महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट मानव संसाधन) नितिन संसारे ने किया, जबकि इस दौरान प्रति-कुलपति प्रो. (डॉ.) अंगद तिवारी और रजिस्ट्रार डॉ. अमित श्रीवास्तव व सहायक डीन (स्नातकोत्तर) डॉ. पोम्पी दास सेनगुप्ता ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान गांधी-शास्त्री जयंती सप्ताह भी मनाया गया।

इस वर्ष भी दिया जाएगा भालो पूजा अवार्ड

GHATSILA : गौरीकुंज उन्नयन समिति की ओर से गौरीकुंज परिसर में शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भालो पूजा अवार्ड 11 अक्टूबर को गौरीकुंज परिसर में दिया जाएगा। यह अवार्ड सुरक्षा के प्रबंध पर फोकस रहेगा। इसके अलावा लाइटिंग, मूर्ति, पंडाल व वातावरण पर फर्स्ट, सेकेंड एंड थर्ड प्राइज दिया जाएगा। निर्णायक मंडली 3 जोन में दौरा कर रिपोर्ट देगी। घाटशिला, गालूडीह तथा धालभूमगढ़ जोन की पूजा कमेटियों को बांटा गया है।

छात्राओं को दे दी गई थी खराब साइकिल, उपायुक्त ने दिलाई नई

कदमा स्थित टाटा वर्कर्स यूनियन हाई स्कूल का मामला

PHOTON NEWS JSR : जिला प्रशासन की ओर से छात्राओं को साइकिल वितरण योजना के तहत दिए गए कुछ साइकिलों के खराब होने की शिकायत पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शुक्रवार को त्वरित संज्ञान लिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी शंकराचार्य समद और प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर सुमित प्रकाश की दो सदस्यीय जांच टीम का गठन किया। जांच के दौरान टीम ने पाया कि टाटा वर्कर्स यूनियन स्कूल, कदमा की 10 छात्राओं को ऐसे साइकिल मिले थे, जो चलने योग्य स्थिति में नहीं थे। शिकायत सही पाए जाने पर प्रशासन ने त्वरित हस्तक्षेप करते हुए सभी 10 छात्राओं को नए साइकिल उपलब्ध करा दिए। इस संबंध में उपायुक्त ने संबंधित संवेदक को कड़ी हिदायत दी है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न हो और खराब साइकिलों को तत्काल स्टॉक से हटा दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गुणवत्तापूर्ण साइकिल वितरण सुनिश्चित करना संवेदक एवं विभागीय पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है।

यदि आगे भी इस प्रकार की लापरवाही पाई जाती है, तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नई साइकिल के साथ छात्राएं • फोटोन न्यूज

बोड़ाम में आकाशीय बिजली गिरने से दो किसानों की मौत

BORAM : पूर्वी सिंहभूम जिले में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो किसानों की मौत हो गई। घटना बोड़ाम थाना क्षेत्र के नामशोल गांव में दोपहर लगभग एक बजे की है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों वे बताया कि नामशोल गांव निवासी चक्रधर कुंभकार (50) और प्रभास सिंह (48) गोभी के खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई और देखते ही देखते आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से दोनों खेत में ही गिर पड़े और बेहोश हो गए। परिजन तत्काल उन्हें उठाकर बोड़ाम के चिरुडीह नर्सिंग होम ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बोड़ाम थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृत दोनों किसानों के शव को जमशेदपुर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चाईबासा में सड़क के लिए ग्रामीणों ने मंत्री के आवास पर दिया धरना

जुलूस की शक्ल में मंत्री के आवास की ओर जाते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा जिला अंतर्गत पंडावीर पंचायत के जोजोहातु से केचावाईपी तक 4 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की मांग पर ग्रामीणों ने मंत्री दीपक बिरुवा के घर पर धरना दे दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि एक साल से लगातार आवाज उठाने के बावजूद न प्रशासन ने कोई सुध ली, ना विधायक सह मंत्री दीपक बिरुवा ने कोई ठोस कदम उठाया। सड़क की दुर्दशा के कारण गांव की स्वास्थ्य सेवा ध्वस्त हो गई है। न एंबुलेंस पहुंच रही है, ना बच्चों की पढ़ाई और किसानों की उपज की ढुलाई हो रही है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक सड़क निर्माण की ठोस घोषणा नहीं होगी, मंत्री का घर घेरे रखा जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी आवाज दबाने की कोशिश हुई, तो आंदोलन और उग्र होगा। शाम सात बजे डीसी चंदन कुमार वहां पहुंचे और सड़क बनाने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया।

आरटीआई दिवस पर सेमिनार में 12 अक्टूबर को आएंगे गवर्नर

राजभवन में राज्यपाल को निमंत्रण देते आरटीआई कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सूचना का अधिकार अधिनियम दिवस के अवसर पर 12 अक्टूबर को बिष्टुपुर स्थित मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्तर का सेमिनार होगा। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे। इसके लिए आरटीआई कार्यकर्ता संघ व झारखंड मानवाधिकार संघ के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने रांची जाकर राजभवन में निमंत्रण पत्र दिया। आयोजकों ने बताया कि राज्यपाल ने कार्यक्रम में आने की सहमति प्रदान की है। राज्यपाल से मिलने वालों में आरटीआई कार्यकर्ता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष दिल बहादुर, केंद्रीय उपाध्यक्ष सदन कुमार ठाकुर, केंद्रीय महासचिव कृतिवास मंडल, केंद्रीय सचिव बिजय सिंह मुंडा व झारखंड मानवाधिकार संघ के केंद्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार किनू शामिल थे।

छोटाबांकी में महुआ शराब भट्ठी ध्वस्त

JAMSHEDPUR : सहायक आयुक्त उत्पाद, पूर्वी सिंहभूम के निदेशानुसार शुक्रवार को एमजीएम थाना अंतर्गत छोटाबांकी में महुआ चुलाई वाली शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। यहां से 120 लीटर महुआ शराब तथा शराब तैयार करने में प्रयुक्त करीब 18000 किलोग्राम जावा महुआ भी बरामद किया गया, जिसे मिट्टी में दबाकर रखा गया था। अवैध चुलाई शराब विनिर्माण में संलिप्त तीन अभियुक्तों विशाल कर्मकार, खेड़ा सिंह व राजन कर्मकार के विरुद्ध अभियोग दर्ज किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम जिले के 102 शिक्षकों का कर दिया गया वेतन निर्धारण

स्नातक वेतनमान में प्रोन्नति के बाद लगभग 5000 रुपये की हो जाएगी बढ़ोतरी

PHOTON NEWS JSR : जिला शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्नातक वेतनमान में प्रोन्नत शिक्षकों के लिए शुक्रवार को वेतन निर्धारण कैंप का आयोजन किया। इसमें 102 शिक्षकों का वेतन निर्धारण किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक के नेतृत्व में यह पहल शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रक्रिया से शिक्षकों के मासिक वेतन में औसतन 5000 रुपये की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जो उनके आर्थिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। इस निर्णय से जिले के शिक्षक समुदाय में उत्साह और हर्ष की लहर दौड़ गई है और वे इसे अपनी मेहनत का फल मान रहे हैं।

इसी वर्ष मिली थी ग्रेड-4 में प्रोन्नति

कैंप का आयोजन जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा किया गया था, जहां प्रोन्नत शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच और वेतन निर्धारण की प्रक्रिया को एक ही स्थान पर पूरा किया गया। कुल 102 शिक्षकों ने इस कैंप में भाग लिया, जिनमें से अधिकांश को इसी वर्ष ग्रेड-चार में प्रोन्नति मिली थी। हालांकि, प्रोन्नति के बाद वेतन निर्धारण की प्रक्रिया में विलंब हो रहा था, जिसकी वजह से शिक्षक लगातार अपनी मांग उठा रहे थे। कैंप में सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई और वेतन संरचना को स्नातक वेतनमान के अनुसार समायोजित किया गया। इस दौरान विभागीय अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने शिक्षकों की शंकाओं का समाधान भी किया। शिक्षा विभाग के अनुसार, कैंप की सफलता से साबित होता है कि प्रशासन शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से ले रहा है।

शिक्षक संघ ने किया स्वागत : वेतन निर्धारण के बाद इन शिक्षकों के मासिक वेतन में औसतन 5000 रुपये की वृद्धि होगी, जो उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी। कई शिक्षकों ने बताया कि यह बढ़ोतरी उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित होगी, खासकर बढ़ती महंगाई के दौर में। प्रोन्नति प्राप्त करने के बावजूद वेतन निर्धारण में देरी से वे असंतोष में थे, लेकिन अब इस कैंप से उनकी मांग पूरी हो गई है। शिक्षक संघों ने भी इस पहल का स्वागत किया है और इसे अन्य जिलों के लिए उदाहरण बताया है।

बाजार सारे इलेक्ट्रॉनिक सामान नहीं, डेढ़ टन की एसी व 43 इंच का एलईडी टीवी हुआ सस्ता

लौहनगरी के बाजारों में जीएसटी से 10 प्रतिशत तक गिरे दाम

MUJTABA RIZVI @ JSR : जीएसटी की छूट का लाभ जमशेदपुर में सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान पर नहीं मिल रहा है। यहां कुछ सामान पर ही छूट दी जा रही है। जिन सामान पर छूट मिल रही है वह हैं एसी, 43 इंच या उससे बड़ी एलईडी टीवी, डिश वाशर आदि। जबकि, गीजर, वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर आदि पर कोई छूट नहीं दी जा रही है। जनता को लगा था कि अब सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ते हो जाएंगे। इस ख्याल से ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक सामान के शोरूम में पहुंच रहे हैं मगर, उनमें से अधिकतर को मायूसी हाथ लग रही है। दुकानदार ग्राहकों को समझाते समझाते ऊब गए हैं कि किन सामान पर जीएसटी में छूट मिली है।

मानगो स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में पहुंचे ग्राहक • फोटोन न्यूज

जिन पर 28 फीसद जीएसटी था, वही हुई सस्ती

द फोटोन न्यूज ने शुक्रवार को जमशेदपुर में मानगो, साकची आदि इलाके के कई इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में सामान की कीमतों का जायजा लिया। यह देखा गया कि कौन-कौन से सामान सस्ते हुए हैं। तकरीबन हर दुकानदार ने बताया कि जिन चीजों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लग रहा था वही, सामान सस्ते हुए हैं। जिन सामान पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा है, वह चीजें सस्ती नहीं हुई हैं। इनमें गीजर, फ्रिज, वाशिंग मशीन आदि शामिल हैं। हम पहले मानगो के नेशनल इलेक्ट्रॉनिक शोरूम गए। यहां स्टोर मैनेजर रमेश ने बताया कि 32 इंच या इससे अधिक आकार की एलईडी में 10 प्रतिशत दाम कम हुए हैं। उन्होंने बतमाया कि डिश वाशर और एसी की कीमतें भी 10 प्रतिशत घटी हैं। इसी तरह, 43 इंच से छोटी एलईडी के दाम भी जस के तस हैं।

इन चीजों की कीमतें हुई कम

मानगो के वर्धमान इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में कई चीजों के दामों पर जीएसटी की छूट का असर पड़ा है। यहां कई चीजों के दाम कम हुए हैं। इनमें टीवी, एसी, बैट्री आदि शामिल हैं। शोरूम के निदेशक बंटी गर्ग ने बताया कि उनके झारखंड में कई शोरूम हैं। प्रदेश में आठ शोरूम खुल चुके हैं। गिरिडीह में भी शोरूम है। एक शोरूम परसुडीह में खुलने वाला है। उन्होंने बताया कि उनके सभी शोरूम पर जीएसटी में कमी का लाभ ग्राहकों को दिया जा रहा है।

वर्धमान इलेक्ट्रॉनिक्स में डेढ टन की वोल्टास की जो एसी 33 हजार रुपये में मिल रही थी, अब वह 31 हजार रुपये में मिल रही है। यहां लायड की इतने ही टन की एसी पहले 35 हजार रुपये में ग्राहकों को दी जा रही थी। अब इसका दाम घट कर 33 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी तरह, हिटाची की डेढ़ टन की एसी का दाम पहले 35 हजार रुपये था। अब यह एसी 33 हजार रुपये में बिक रहा है।

ब्लूस्टार कंपनी की डेढ़ टन की एसी का दाम घट कर 33 हजार 500 रुपये हो गया है। मित्सुबिशी की डेढ़ टन की एसी पहले 38 हजार रुपये की थी। अब इसकी कीमत घट कर 36 हजार रुपये हो गई है।

इसी तरह, एलजी की 43 इंच की टीवी पहले 33 हजार रुपये की थी। अब इसे 30 हजार रुपये में बेचा जा रहा है। इतने ही आकार की सैमसंग की टीवी पहले 33 हजार रुपये में मिलती थी। अब वर्धमान इलेक्ट्रॉनिक्स में इसकी कीमत 29 हजार रुपये है। इसी तरह, लायड की टीवी पहले 32000 रुपए में बिकता था। जीएसटी घटने पर इसका दाम अब 28000 रुपए है। सनसुइ की टीवी पहले 23000 रुपये में बिकती थी। इसका भी दाम घट गया है। यह टीवी अब 19000 रुपए में बिक रही है। इसके अलावा ल्युमिनस और एक्साइड की बैटरी के दाम भी घटे हैं। वर्धमान इलेक्ट्रॉनिक्स में दुर्गा पूजा ऑफर भी दिया जा रहा है। इसके तहत सामानों पर 10% तक फेस्टिवल डिस्काउंट है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक

प्रधानमंत्री मोदी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है। उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुंचे। गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री के आह्वान पर मध्य प्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार आठ बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मोदी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली। इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिए प्रधानमंत्री जी ने हमें विरासत के साथ विकास का नारा दिया। भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई। मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था, तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं, उसका क्रियान्वयन भी करते हैं। उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया। इस फैसले से देश की कर-प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोजगार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं। ये नीतियां देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म-सम्मान का प्रतीक बनी। अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन मोदी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य है कि देश का युवा आत्मनिर्भर बने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए। युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोजगार देने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू की। इसका उद्देश्य साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। उनके नेतृत्व में युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार, स्टार्टअप, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 52.5 करोड़ छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को गति दी गई। प्रधानमंत्री का मानना है कि किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने का अवसर भी मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति का अधिकार मिला। महिला आरक्षण लागू कर उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बिहार की माताओं-बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए डबल इंजन सरकार समर्पित भाव से कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा एवं राज्य के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्था द्वारा शुरू किए जा रहेविधायी प्रारूपण में क्रेडिट-आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का अनावरण भी किया गया। कानून निर्माण की प्रक्रिया में विधान प्रारूपण की भूमिका सबसे अहम है। भारत का संविधान हमारे लिए इस दिशा में मार्गदर्शक है; उसकी मूल भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कानून की ऐसी ड्राफ्टिंग होनी चाहिए जो जनकल्याणकारी, सरल और स्पष्ट भाषा में हो। हमारे संविधान के तहत विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। ऐसे में कार्यपालिका को कानून का मूल ड्राफ्ट बनाते समय कभी भी ग्रे एरिया नहीं छोड़ना चाहिए, यदि कानून की ड्राफ्टिंग में ग्रे एरिया होगा तो न्यायपालिका उसमें अनावश्यक अतिक्रमण कर सकती है। इसी के साथ जितनी बेहतर ड्राफ्टिंग होगी, उतना ही कानून प्रभावी, त्रुटिरहित और न्यायसंगत होगा।

(ओम बिड़ला का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत की आर्थिक रफ्तार पर वैश्विक मुहर

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों या उनके तमाम सहयोगियों के बयान जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास हुआ, लेकिन लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया है। अब फिच की ओर से किया गया ये जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान संशोधन ट्रंप की टिप्पणी का करारा जवाब माना जा रहा है। वस्तुतः फिच का ताजा अनुमान भारत की आर्थिक सेहत की गवाही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2025 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रही। इसके बाद अप्रैल-जून तिमाही में यह और तेज होकर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह आंकड़ा फिच की पिछली भविष्यवाणी से कहीं बेहतर है। जून में एजेंसी ने 6.7 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान दिया था। देखा जाए तो अब उसी को बढ़ाकर पूरे वित्त वर्ष के लिए 6.9 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि फिच ने यह भी स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। यही कारण है कि उसने 2026-27 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत और 2027-28 के लिए 6.2 प्रतिशत रखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी पूरी क्षमता से कुछ ऊपर चल रही है। फिच का कहना है कि घरेलू मांग में तेजी भारत की अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। आय बढ़ने से लोग ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कंपनियां निवेश कर रही हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की प्रमुख आर्थिक एजेंसियां इन दिनों जिस तरह के अनुमान जारी कर रही हैं, वे भरोसा दिला रहे हैं और इस तथ्य को पुष्ट करते हैं कि भारत आज वैश्विक ग्रोथ का केंद्र बन चुका है। हाल ही में फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। यह पहले 6.5 प्रतिशत था। ऐसा कदम किसी भी देश के लिए बड़ी राहत और मजबूती का संकेत होता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़ोतरी उस समय आई है जब अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव को लेकर तमाम तरह की आशंकाओं के बीच फिर से दोनों नए सिरे से टैरिफ संवाद शुरू कर चुके हैं । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों या उनके तमाम सहयोगियों के बयान जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास हुआ, लेकिन लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया है। अब फिच की ओर से किया गया ये जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान संशोधन ट्रंप की टिप्पणी का करारा जवाब माना जा रहा है। वस्तुतः फिच का ताजा अनुमान भारत की आर्थिक सेहत की गवाही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2025 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रही। इसके बाद अप्रैल-जून तिमाही में यह और तेज होकर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह आंकड़ा फिच की पिछली भविष्यवाणी से कहीं बेहतर है। जून में एजेंसी ने 6.7 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान दिया था। देखा जाए तो अब उसी को बढ़ाकर पूरे वित्त वर्ष के लिए 6.9 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि फिच ने यह भी स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। यही कारण है कि उसने 2026-27 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत और 2027-28 के लिए 6.2 प्रतिशत रखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी पूरी क्षमता से कुछ ऊपर चल रही है। फिच का कहना है कि घरेलू मांग में तेजी भारत की अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। आय बढ़ने से लोग ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कंपनियां निवेश कर रही हैं। बुनियादी ढांचे में भारी पूंजी डाली जा रही है। सेवा क्षेत्र और सूचना प्रौद्योगिकी लगातार नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। यही वजह है कि भारत फिलहाल दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। फिच से पहले एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आश्वस्त करने वाला कदम उठाया था। एजेंसी ने लगभग 18 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग को ह्यबीबीबी माइनसह्न से बढ़ाकर बीबीबी कर दिया। यह छोटा बदलाव नहीं है। इसका सीधा संदेश वैश्विक निवेशकों को गया कि भारत में राजनीतिक स्थिरता है, नीतियां निवेश के अनुकूल हैं और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की कोशिशों में भी सफल है। किसी भी देश के लिए यह बड़ी उपलब्धि होती है जब तमाम दबावों के बीच भी उसकी रेटिंग सुधरती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 प्रतिशत लगाया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि घरेलू खपत और मजबूत कृषि उत्पादन इसकी मुख्य वजह होंगे। दिलचस्प है कि फिच की रिपोर्ट में यह भी उम्मीद जताई गई है कि आरबीआई वर्ष के अंत तक रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह निवेश और खपत दोनों को नई ताकत देगा। वैश्विक संस्थाएं भी भारत को लेकर सकारात्मक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने इसे थोड़ा कम करते हुए 6.3 प्रतिशत बताया है। एशियाई विकास बैंक का अनुमान 6.5 प्रतिशत है। मूडीज ने भी 6.3 प्रतिशत की ग्रोथ दर का आकलन किया है। दूसरी ओर, भारत सरकार की आर्थिक समीक्षा 2025 में कहा गया है कि वित्त वर्ष की वृद्धि दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहेगी। इन सबको मिलाकर देखें तो तस्वीर बेहद स्पष्ट है कि भारत में जीडीपी ग्रोथ बनी रहेगी। सभी एजेंसियां इस बात पर समान रूप से सहमत हैं कि भारत छह प्रतिशत से ऊपर की स्थिर और मजबूत वृद्धि हासिल करेगा। फिच ने महंगाई पर भी उम्मीद जगाने वाले अनुमान दिए हैं। उसका मानना है कि 2025 के अंत तक महंगाई दर 3.2 प्रतिशत रहेगी जबकि 2026 के अंत तक यह 4.1 प्रतिशत तक जा सकती है। यह अनुमान भारत के उपभोक्ताओं के लिए राहत का संदेश है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर खाद्य और ईंधन की कीमतों में अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन भारत में भंडार पर्याप्त हैं और मानसून भी बेहतर है। अब सवाल उठता है कि आखिर क्यों वैश्विक एजेंसियों का भरोसा भारत पर बढ़ रहा है दरअसल इसके पीछे कई वजहें हैं। सबसे पहली है घरेलू मांग। भारत की जनसंख्या विशाल है और लगातार आय बढ़ रही है। लोग उपभोग पर खर्च कर रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भी इसमें नई रफ्तार दी है। यूपीआई और अन्य भुगतान प्रणालियों ने खपत का नया ढांचा खड़ा किया है। दूसरी वजह है सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है। सेवा क्षेत्र और आईटी इंडस्ट्री ने भारत की वैश्विक छवि मजबूत की है। और सबसे बड़ी ताकत है युवा शक्ति होना और उसका संख्या बल। भारत की युवा शक्ति आज खपत बढ़ने के साथ ही उद्यमिता और नवाचार का भी केंद्र बनकर सामने आई है। कुल मिलाकर भारत की आर्थिक कहानी उत्साहजनक है। यह ऐसी घड़ी है जब विकसित देश भी स्थिरता पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, भारत 6 से 7 प्रतिशत की मजबूत गति से बढ़ रहा है। यह स्थिति वर्तमान भारत की आर्थकि ताकत दर्शाती है। कहना होगा कि आज भारत उस मोड़ पर आ पहुंचा है जहां वह न केवल अपनी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करता है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा दे रहा है। वस्तुतः फिच, एसएंडपी, आईएमएफ, विश्व बैंक, एडीबी और मूडीज जैसी संस्थाओं की राय से एक बात तो स्पष्ट है कि यदि नीतिगत स्थिरता बनी रही और वैश्विक चुनौतियों से संतुलित ढंग से निपटा गया तो 2025-26 और आगे के वर्ष भारत की आर्थिक यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। ऐसे समय में जब बड़ी अर्थव्यवस्थाएं संकटों से जूझ रही हैं, भारत का यह उभार हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

भारतीयता और राष्ट्रीयता का पर्याय

श्रीमद्भगवदगीता में कहा गया है- यद्यदाचरति श्रेष्ठसतत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरूते लोकस्तदनुवर्तते।।

अर्थात महापुरुष जो आचरण करते हैं, सामान्य व्यक्ति उसी का अनुसरण करते हैं। वह अपने अनुकरणीय कार्यों से जो आदर्श प्रस्तुत करते हैं, संपूर्ण विश्व उसका अनुसरण करता है। आधुनिक विश्व में ऐसे ही एक युगपुरुष भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होने न केवल भारत में अपितु संपूर्ण विश्व में मानव कल्याण के उच्च आयाम स्थापित किए हैं। आधुनिक भारत में नरेंद्र मोदी जी का जीवन चरित्र भारतीयता और राष्ट्रीयता का पर्याय माना जा सकता है। मोदी वर्तमान समय में एक शक्तिशाली वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में भारत का सम्मान दुनिया में बढ़ा है। अब भारत को दरकिनार करके विश्व में कोई भी नीति नहीं बनाई जा सकती, क्योंकि आज भारत का नेतृत्व एक ऐसे हाथ में है, जो राष्ट्रहितों को केंद्र में रखकर लगातार कार्य कर रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह कठोरता के साथ पाकिस्तान को प्रत्युत्तर देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया, उससे भारत की छवि वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आई है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा और जो भी भारत की तरफ आंख उठा कर देखेगा, भारत उसे छोड़ेगा नहीं। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी को साहस के साथ प्रत्युत्तर देने वाले राजनेता के रूप में जानती है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना आरंभ की थी। इस योजना से पूरे जीवनकाल में शिशु लिंग अनुपात को संतुलित करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। यह अभियान न केवल भारत, बल्कि समूचे विश्व में चर्चित और प्रचारित हुआ था। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना द्वारा आज संपूर्ण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के नए मापदंड स्थापित किए गए हैं। देशवासियों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से प्रधानमंत्री का यह कदम निश्चित ही एक मील का पत्थर है। मोदी द्वारा आरंभ की गई जन-धन योजना का विजन आगामी कई पहलों के लिए बुनियाद का काम करेगा। मोदी के लिए इसका आशय है अधिकतम लक्ष्य की प्राप्ति। खर्च होने वाले प्रत्येक रुपये का अधिकतम प्रतिफल। देश के गरीबों का अधिकतम सशक्तीकरण। जनता के बीच तकनीक का अधिकतम प्रसार। आजादी के 67 साल बाद भी भारत में बड़ी संख्या में ऐसी आबादी थी, जिन्हें बैंकिंग सेवाएं हासिल नहीं थीं। इसका अर्थ था कि उनके पास न तो बचत का कोई जरिया था, न ही संस्थागत कर्ज पाने का कोई अवसर। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बुनियादी मसले का समाधान करने के लिए जन धन योजना की शुरूआत की है और सुखस्य मूलम धर्मः, धर्मस्य मूलम अर्थः, अर्थस्य मूलम राज्यम के मूल विचार को साकार किया। वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनैतिक दशा में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास को साथ लेकर विकास और प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़े हैं। विगत 10 वर्षों में सामाजिक सरोकार के जो कार्य हमारे देश में किए गए हैं, उनकी प्रतीक्षा देश की जनता आजादी के बाद से कर रही थी। जल जीवन मिशन के माध्यम से संपूर्ण भारत के हर घर में पेयजल उपलब्ध कराने का संकल्प नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया है और काफी हद तक यह कार्य पूर्ण भी हो चुका है। मुझे लगता है जल जीवन मिशन आजाद भारत की सबसे महत्वाकांक्षी और सामाजिक सरोकार की सर्वश्रेष्ठ योजना है, जिसको मूर्त रूप देने का विचार माननीय नरेंद्र मोदी जी के चिंतन में ही पल्लवित हुआ है। आजादी के बाद देश के तत्कालीन जिम्मेदार नेताओं की गलतियों के कारण जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लागू किया गया था, जिसके कारण कश्मीर भारत वर्ष की मुख्यधारा से अलग सा हो गया था और लाखों कश्मीरी पंडितों को या तो जान देकर या फिर विस्थापित होकर इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर एक अभूतपूर्व कार्य किया है, जिसके कारण कश्मीर में अब विकास और समृद्धि का नया सूर्योदय हुआ है। तीन तलाक का मामला हो, नागरिकता अधिनियम में संशोधन हो, गरीब कल्याण की बात हो या महिला सशक्तीकरण के प्रयोजन हों, प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के हर वर्ग के लिए सामाजिक सरोकार के अनेक अभूतपूर्व कार्यों को मूर्त रूप दिया है। मोदी के नेतृत्व ने भारत में विकास, प्रगति और शक्ति के नए आयाम को स्पर्श किया है। वर्ष 2014 के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। भारत और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। विगत 11 वर्षों में देश की अधोसंरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। देश में नक्सलवाद को लगभग समाप्त कर किया जा चुका है। सामाजिक सरोकार हो या आर्थिक क्षेत्र या फिर तकनीकी क्षेत्र, हर क्षेत्र में देश सतत रूप से ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के भगीरथ प्रयासों के से ही संभव हो सका है। हाल ही में विश्व के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका द्वारा दबाव बनाने और डराने के लिए भारी मात्रा में टैरिफ अधिरोपित कर दिए हैं। अमेरिका सोच रहा है कि भारत उसके आगे झुकेगा, लेकिन मोदी के नेतृत्व में भारत शक्ति के साथ अडिग खड़ा है। मोदी ने अपनी नीतियों से दुनिया को बता दिया है कि अब कोई भी भारत की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर मोदी ने न केवल भारतीय जनता पार्टी के पुरोधा विचार को साकार किया है, अपितु देश के समस्त सनातन समुदाय की आकांक्षाओं को भी पूर्ण किया है। भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी लगातार काम कर रहे हैं। उन्होने भारत वर्ष की संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और आध्यात्मिक विचारों को देश की सीमाओं से बाहर संपूर्ण विश्व में प्रसारित कर स्वामी विवेकानंद के उन विचारों को साकार किया है, जो स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में प्रकट किए थे।

उद्यमियों के साथ श्रमिकों का भी सम्मान जरूरी

अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे टैरिफ दबाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को तो रेखांकित किया ही, चीन से संबंधों को सामान्य बनाने का भी फैसला हुआ। इसी सिलसिले में इलेक्ट्रिक वाहन, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल मशीनरी, विद्युत एवं कृषि उपकरण, आटो पार्ट्स जैसे उद्योगों में चीनी निवेश को अनुमति दी गई है। पड़ोसी देश से रिश्तों में सुधार और विश्व की दो सबसे बड़ी आबादी वाले देशों के बीच आर्थिक सहयोग का बढ़ना अच्छी बात है, परंतु चीन के साथ पहले से ही भारी व्यापार घाटा झेल रहे भारत के लिए चुनौती यह भी है कि वह अपने विनिर्माण क्षेत्र को गति दे अन्यथा यह घाटा और भी बढ़ सकता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के अभूतपूर्व औद्योगिक विकास और पश्चिमी देशों द्वारा उत्पादन क्षेत्र को पुनः बढ़ावा देने के प्रयासों से मुकाबला करने के लिए भारत को विनिर्माण को न सिर्फ गति देनी होगी, बल्कि इसमें गुणात्मक सुधार लाकर वैश्विक बाजार में अपना स्थान भी बनाना होगा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण भारत को पहले-पहल कुछेक क्षेत्र चयनित कर अपने लिए क्षेत्र-विशिष्ट उद्योगों की पहल करनी होगी और फिर धीरे-धीरे यथासंभव क्षेत्रों में विस्तार हो सकता है। ऐसा भी नहीं है कि हम बहुत निराशाजनक स्थिति में हैं। सदी की शुरूआत तक भारत वैश्विक विनिर्माण पटल पर किसी गिनती में नहीं था। 2006 में हम विनिर्माण करने वाले शीर्ष दस देशों में आए और आज हम शीर्ष पांच देशों में से एक हैं। मोबाइल फोन निर्माण में दूसरा बड़ा उत्पादक बनने के बाद आज सेमीकंडक्टर युग में प्रवेश कर भारत ने उच्च प्रौद्योगिकी-गहन उद्योग में जगह बनाई है, परंतु 140 करोड़ आबादी वाले देश में हमें श्रम की खपत वाले उद्योगों को भी गंभीरता से लेना होगा। खासकर तब, जब सबसे अधिक रोजगार सृजन इसी क्षेत्र से उत्पन्न होता है और भारत की अधिकांश अर्धकुशल एवं अकुशल श्रम शक्ति इसी क्षेत्र में खपाई जा सकती है। पिछले दो दशकों से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 14 से 16 प्रतिशत के बीच अटकी हुई है। इसी दौरान चीन में यह हिस्सेदारी लगभग 30-35 प्रतिशत रही है। हाल के समय में सेवा क्षेत्र में आई बढ़त के कारण यह आंकड़ा घट कर 27 प्रतिशत पर आया है। यह कहना अनुचित होगा कि सरकारों ने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयास नहीं किए हैं। नीति निर्धारण स्तर पर कई सराहनीय पहल हुई हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, बुनियादी ढांचा विकास के लिए एकीकृत और व्यापक पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान, उदार एफडीआई नीति, निवेशकों को मंजूरी के लिए एक एकीकृत पोर्टल प्रदान करने के लिए नेशनल सिंगल विंडो स्कीम, वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी, कारपोरेट कर में कटौती आदि बहुत सी नीतियां और निर्णय विनिर्माण को गति देने के लिए गए हैं। बावजूद इसके कुछ ढांचागत एवं व्यावहारिक समस्याएं अब भी उद्योगों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। ऐसी ही एक चुनौती उद्योगों के लिए भूमि की सीमित उपलब्धता है। उत्तर भारत में यह समस्या अधिक है। ऐसे में जहां कम कृषि पैदावार वाली भूमि को औद्योगिक उपयोग में लाने के प्रयास करने होंगे, वहीं चिह्नित भूमि का सर्वोत्तम उपयोग भी सुनिश्चित करना होगा। देखा गया है कि औद्योगिक क्षेत्रों में बहुत सी जमीन केवल निवेश और पुनर्विक्रय के लिए निष्क्रिय पड़ी है। सरकार के काफी प्रयासों के बावजूद कौशल विकास की मुहिम कुछ खास कारगर नहीं हो पाई है। आवश्यकता है कि कौशल विकास का दायित्व निजी संस्थाओं के बजाय विश्वसनीय उद्योग निकायों को दिया जाए। स्वयं राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के अनुसार भारत में 2.9 करोड़ कुशल श्रमिकों की कमी है। अकेले सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दो वर्षों में 15 लाख दक्ष कामगारों की आवश्यकता होगी।

बदलते हालात

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर दोनों देशों के साथ-साथ पश्चिम और दक्षिण एशिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस समझौते में यह एलान किया गया है कि किसी भी हमले को दोनों देशों के विरुद्ध हमला माना जाएगा। इस्लाम की दो सबसे पवित्र मस्जिदों के संरक्षक सऊदी अरब और इस्लामी जगत की एकमात्र परमाणु ताकत पाकिस्तान के बीच हमेशा से एक खास रिश्ता रहा है। पाकिस्तान दशकों से सऊदी अरब की सेनाओं को प्रशिक्षित करता रहा है, जबकि सऊदी अरब ने इस्लामाबाद के परमाणु कार्यक्रम के लिए इमदाद समेत उदार वित्तीय सहायता मुहैया करायी है। इस समझौते के साथ, यह साझेदारी अब संस्थागत हो गई है। फिर भी, इजरायल द्वारा कतर पर बमबारी के एक हफ्ते बाद इसके एलान का वक्त फारस की खाड़ी के सुरक्षा परिदृश्य में बदलते हालात को रेखांकित करता है। दशकों तक इस इलाके के राजतंत्र अमेरिका की ठोस सुरक्षा गारंटी पर निर्भर रहे। लेकिन अमेरिका का ध्यान पश्चिम एशिया से हटने के साथ, पुराने ढांचे की स्थायित्व पर सवाल उठने लगे हैं। जब 2019 में ईरानी सहयोगियों ने सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर हमला किया, तो अमेरिका ने कुछ नहीं किया। पश्चिम एशिया में अमेरिका के सबसे बड़े अड्डे, कतर पर इजरायल के हमले ने इस बदलाव को और तेज कर दिया है। अब्राहम समझौते में अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक साझा मोर्चा बनाने के लिए अरब के राजतंत्रों और इजरायल को करीब लाने की कोशिश की थी। संयुक्त अरब अमीरात सहित चार अरब देशों ने इस पर हस्ताक्षर किए थे और सऊदी अरब के भी ऐसा ही करने की उम्मीद थी। लेकिन 7 अक्टूबर 2023 के हमास के हमले और इजरायल के गाजा युद्ध, जो अब अन्य देशों में भी फैल गया है, ने इस प्रक्रिया को पटरी से उतार दिया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

What a student union poll indicates about Bangladesh's future

While the similarities between the causes of the recent upheavals in Dhaka and Kathmandu have been highlighted, the differences in administrative reactions are also telling. The interim government in Nepal has promised to hold elections within 6 months, whereas Bangladesh's interim government has procrastinated by insisting on reforms before elections. Facing domestic and international pressure, the Muhammad Yunus regime has finally proclaimed elections will be held in February 2026—more than 17 months after Sheikh Hasina was overthrown.

The Yunus regime is in a vice-like grip of Jamaat-e-Islami, the country's foremost Islamist organisation, and of the Islamist-oriented student leaders who led the revolt against Hasina. Promising sweeping reforms and establishing several commissions to recommend them are the hallmarks of the Yunus regime. The regime has facilitated the rise of Islamist parties and other radical groups. Lawlessness has continued despite the presence of a combined army-police force.Human rights organisations have logged thousands of incidents of communal violence against minorities— mainly Hindus, but also Buddhists, Christians, Ahmadis, and Sufi groups. Many such attacks were pre-planned and the Yunus-regime has remained a spectator at best. A February 2025 UN report accused the interim government of failing to act against the perpetrators of communal violence.The international concern on persecution of minorities led Yunus to visit the revered Dhakeshwari temple and publicly say the right things: "Whatever faith or ideology one follows, whether rich or poor, every person is first and foremost a citizen. All rights of citizens are guaranteed in the Constitution." Yunus visited the temple along with A F M Khalid Hossain, the religious affairs advisor to the interim government who is also vice-president of the radical organisation Hefazat-e-Islam.Hefazat has demanded Islamisation of Bangladesh by introducing Sharia law, removing all statues from public places, changing the national anthem written by Rabindranath Tagore, and expunging all text from school books written by Hindu writers. It spearheaded the campaign against Chinmoy Das, who had called on Hindus to demand their rights as citizens.The hypocrisy has not gone unnoticed— Das languishes in prison, accused of treason and denied bail, while Durga idols are being broken at more than 10 places. Violence between Muslim sects has also skyrocketed over doctrinal interpretations, control of religious sites, and political influence, erupting in clashes between Wahabi, Salafi, and Deobandi groups.A notable feature is the space given to radical organisations like the Hizb-ut-Tahrir, which marched on the streets of Dhaka demanding an Islamic caliphate. Islamists have also demanded that music and dance teachers in schools be replaced by religious teachers. A new alliance of Islamist parties has taken over the streets led by Jamaat, and supported by Islami Andolan, Khelafat Majlis, Nizam-e-Islam Party, Khelafat Andolan, and Jatiya Ganatantrik Party. While the mainstream parties want the elections expedited, the Islamist alliance wants them postponed and proportional representation introduced.Islamists have never bagged more than 20 of the 350 parliamentary seats and the National Citizen Party (NCP), the new party formed by students, will be a first-timer. The procrastination on holding national elections is feared to be related to creating an uneven political field, cleansed of rivals to the Jamaat, its Islamist allies and the NCP.

The quiet toll of climate extremes

The psychological setbacks caused by extreme climate events like floods linger long after the waters recede. Disaster management plans must include modules on psychosocial support. Examples of community-based interventions after floods in Kerala and Assam can be emulated widely

This year hasn't given people much of a breather. A punishing summer rolled straight into a relentless monsoon, and many families have lurched from coping with extreme heat to mopping up after floods. We count lives lost and homes damaged, as we should. But we rarely make space for the quieter toll—anxiety, sleeplessness, trauma, and the long shadow these events cast on people's ability to study, work, and rebuild their lives.The summer of 2025 was one of the harshest on record for India. The Lancet Countdown warns that Indians are exposed to hundreds of hours of heat stress annually, and doctors across India reported spikes in psychiatric emergencies, sleep disorders and confusion during the peak heatwave. Even the ministry of earth sciences has acknowledged symptoms such as anxiety, palpitations, and behavioural changes linked to extreme temperatures, showing that the mental health toll of heat is no longer invisible.Then came the rains. By early September, all-India monsoon rainfall was nearly 8 percent above normal, which is good for reservoirs but was marked by an erratic intensity. In many places, the rains arrived with cloudbursts, floods, and landslides that uprooted families, especially the poorest in low-lying settlements or on unstable slopes.While the national numbers for 2025 are being compiled, last year offers a perspective: 5.4 million disaster displacements through 2024, including 2.4 million due to monsoon floods. Displacement is not just physical movement; it is psychological dislocation that can linger for years. Research after floods in Uttarakhand, Kerala and Assam found consistently high prevalence of posttraumatic stress, depression, and anxiety among survivors, often persisting long after the waters recede.Yet, when we look at policy, heat and mental health continue to move in silos rather than converging. Heat action plans, now numbering more than a hundred across states, districts and cities, have saved lives through early warnings, work-hour advisories and hydration support. But reviews highlight weak localisation, unclear funding, and the absence of mental health considerations.At the same time, India has expanded access to mental healthcare. Tele-MANAS, launched in 2022, has fielded over 2 million calls across 36 states and Union territories. The district mental health programme operates in more than 700 districts, offering a platform on which climate-linked stress could be integrated without creating a new structure.The national guidelines on psychosocial support in disasters were updated in 2023, urging integration of such care into disaster systems. Civil society has contributed to NGOs in Kerala and Assam, which have piloted community-based interventions after floods, working with schools, women's groups, and youth clubs. These examples show that India has assets to build on. The challenge is that they remain scattered and disconnected from climate resilience frameworks.

That disconnection is precisely what needs to be addressed. Heat action plans and disaster management plans should be expanded to include modules on psychosocial support. These can set out simple protocols for frontline workers— ASHAs, anganwadi workers, teachers, panchayat members, and relief volunteers to recognise distress, offer psychological first aid, and refer cases onwards to formal care. Training people in these skills before each summer or monsoon season is inexpensive, yet it can make a measurable difference to recovery.

Equally important is the creation of data systems that capture climate-linked stress. Currently, Tele-MANAS does not enable counsellors to tag calls related to heat or flood trauma. Adding such categories would, over time, build a map of where distress spikes after extreme events, helping authorities deploy resources where they are most needed. Without such information, planning remains blind to one of the most pervasive effects of climate extremes.Preparedness must also extend to adolescents. Evidence shows that young Indians carry a heavy psychological burden after disasters if support is delayed. Schools, therefore, should be part of recovery strategies, offering group sessions that help normalise reactions, rebuild routines, and identify students who need specialised care. This is not about labelling every emotional response as a disorder, but about ensuring that distress does not harden into long-term damage.Another critical gap is resources. Psychosocial care often slips off the priority list during budget allocations. Creating a dedicated budget line for mental health within climate and disaster resilience plans would signal seriousness and ensure continuity. Linking relief and livelihood support with mental health outreach can also help, since financial stress is often the most powerful trigger of psychological distress after a disaster.India does not need to reinvent the wheel. The foundation is already established. What is required is a deliberate effort to link these pieces together under one climate-resilience agenda. If that happens, the country will be able to move beyond merely counting lives saved from heatstroke or houses rebuilt after floods, to also ensuring that survivors can sleep, work, study and hope without carrying the silent weight of unaddressed trauma.

Focus on safe disposal, reuse of EV batteries

Improper disposal leads to hazardous electronic waste, contributing to water pollution and posing a threat to humans, wildlife and the ecosystem

While there is a major push for popularising electric vehicles across India and their numbers are galloping ahead, serious attention needs to be paid to the disposal and reuse of EV batteries—an area that remains largely ignored. In a report published last month, Niti Aayog called the industry a $200-billion opportunity and urged the Centre to formulate a national EV policy with clear-cut targets, timelines and a regulatory framework to fast-track India's transition to zero-emission vehicles. Although the think tank mentioned the need for a circular economy for end-of-life EV batteries, it did not explicitly focus on disposal. The report urged the Union government to develop an infrastructure to speed up India's transition to clean mobility by overcoming the challenges of inadequate charging stations and support infrastructure for long-distance EV performance.

India is aiming at a 30 percent share for EVs among all vehicles sold by 2030. The total number sold by 2024 was estimated to be 5.45 million, with about 2.08 million sold last year alone (as against global sales of 18.78 million), compared to 1.6 million units in 2023, and just 50,000 in 2016. This indicates the speed with which EVs are cornering the Indian market—a share that clocked at 7.6 percent in 2024. So the segment needs to cover about 22 percent more in the next five years to achieve the target. EV sales are expected to pick further up with the Union government recently notifying norms to promote electric passenger car manufacturing. This is expected to bring fresh investments from global manufacturers in the segment and promote India as a manufacturing destination.The need of the hour is to have a clear-cut policy on disposing and reusing end-of-life EV batteries that are manufactured with lithium and cobalt, as the problem of toxic leakage and insufficient recycling is growing bigger alongside the segment. Improper disposal leads to hazardous electronic waste, contributing to water pollution and posing a threat to humans, wildlife and the ecosystem. Stringent laws need to be brought in to ensure proper second-life applications of used EV batteries (like stationary energy storage), their safe disposal, and direct material recycling. If not implemented strictly, the environmental and economic costs would be immense.

Assam seeks justice for its Zubeen

In the heart of this magical night, I can see your face at a distance. You have quietly crept into a hidden corner of my heart Like a fresh droplet of dew on my withered mind Like the bright sunshine But otherwise, I have danced with the storm for years I had befriended darkness a long time ago.

A 21-rifle salute crackled over the murmuring and weeping of the sea of mourners as singer Zubeen Garg's body was consigned to the flames in a small village near Guwahati, the Assam capital which had also been the cultural icon's home. The last time such an honour was given was to the late Bhupen Hazarika in 2011.For Zubeen, the state had declared a three-day official period of mourning. As the flames soared, lakhs of fans burst into collective song of his Mayabini.For that song, as did many of his others, in their very essence, captured not just the superstar's magic with words but also the chemistry of his unique connect to generations of Assamese and non-Assamese.You have quietly crept into a hidden corner of my heart
Like a fresh droplet of dew on my withered mind
Like the bright sunshine
But otherwise, I have danced with the storm for years
I had befriended darkness a long time ago.

As a teenager, Zubeen burst onto the Assamese music scene with his first album. Here was a fresh voice to audiences accustomed to hearing greats like Hazarika with their rich mix of original compositions, interspersed with folk and classical. Here was an exception to the rule, a phenomenon, a storm. He didn't follow any rules, he ran and performed to his own music, his own story, created his own legend. Think of it: 35,000 songs in about 40 languages — one of them was Ya Ali from Gangster which catapulted him to fame in Bollywood, a place he shunned to return home. And he was just 52.With his iconic thrust heaven-ward of the mike, he captured a dedicated following, especially among the young who were entranced by his contempt for staid conservatism and prejudice, his flamboyance and use of popular cuss words, his dismissiveness of politics and politicians, his dance moves on stage where he sang with children, his generosity to whoever sought help, his love for animals and trees and incredible accessibility for a star of his stature. Shining through it all was an all-embracing love for Assam, its culture and people which he defended fiercely and proclaimed fully.Many media commentators and cultural experts outside the region who witnessed the sea of humanity that swept through the streets not just of Guwahati but all towns and villages of Assam, singing and humming his songs, weeping or holding back tears, were shaken and puzzled by the response: what explained his incredible appeal? How did he so embed himself in the hearts and consciousness of his people?There is not one answer but many and perhaps even after many years we may not be able to put our finger on it. His appeal transcended religion, ethnicity, language and region, which are used by unscrupulous politicians to divide people and fan the flames of hatred and communalism.

By their response to Zubeen, his lyrics, his music and his messages, the people of Assam overwhelmingly affirmed through their mammoth turnout to honour his life, that despite efforts to divide and fracture, his music bound and healed Assam at a time of discord.

His words struck a chord with the young and people of middling age — as well as older — who were struggling to come to grips with an uncertain time, unsafe years, concerned about their future, troubled by the violence and harm, the armed movements and State power which were wrecking their land and societies.He pulled no punches. When the armed group ULFA (United Liberation Front of Asom) declared a ban on Hindi songs at the Bihu festival celebrations so dear to Assam, he immediately denounced it and said he would not be deterred by such cultural policing. Once on stage, when chided for not wearing the Brahmin sacred thread, he proclaimed in Assamese, "I have no religion, no caste, I am a human being", to thunderous roars of support and applause from the audience.He mocked politicians, denounced ministers and once asked Chief Minister Himanta Biswa Sarma who, like him, had been photographed leaping on stage, "Why are you imitating me?" His followers loved his whimsical and wicked sense of humour and no-holds-barred approach. With 1.28 million followers on Instagram and a hold on people's hearts and minds that far outstripped any political leader's, he had to be taken very seriously. Though not a politician, Zubeen took significant political positions and spoke of his own belief in socialism. He opposed the Citizenship Amendment Act (CAA), spoke of how he had once supported the BJP because people hungered for poriborton or change in Assam and sung the election song that powered it to office in the state for the first time in 2016.When the CAB (Citizenship Amendment Bill which preceded the CAA) was introduced, he snapped at then CM Sarbananda Sonowal, asking him to oppose the law or "return the votes" which the BJP gained as a result of his poll song. In his inimitable style, he declared from a stage that "I don't care for anyone!" and offered to return the remuneration he had received.It was not as if he was without shortcomings, issues that he candidly acknowledged. With great popularity and influence comes great vulnerability. Alcohol was a challenge and occasionally he was susceptible to epileptic fits.My cousin, D'Com Bhuyan, who worked with Zubeen and knew him well, writes of his untamed spirit: "He was relentless. His body bore bruises, his schedule was inhuman, yet he moved with an urgency that was almost divine. Most would have given up, citing fatigue or practicality. But Zubeen would not. He lived in the storm because he was the storm. After one such sleepless shoot, he turned to me, eyes blazing, and said.

THE PHOTON NEWS
08
www.thephotonnews.com
Saturday, 27 September 2025

EPFO 3.0 roll-out likely delayed, ATM withdrawals pushed to 2026

NEW DELHI. (Agency)

The much-awaited EPFO 3.0 roll-out could take longer than expected. The facility to withdraw provident fund (PF) money directly from ATMs is likely to come into effect only from January 2026, according to a report by Moneycontrol.

Earlier this year, Union Labour and Employment Minister Mansukh Mandaviya had announced that EPFO 3.0 would make the Employees' Provident Fund Organisation as easy to access as a bank. One of the biggest attractions of the update was the plan to allow members to withdraw PF money using ATMs.

DECISION PENDING WITH CBT

The Central Board of Trustees (CBT), which is the top decision-making body of EPFO, is expected to take up the proposal in its next meeting scheduled for the first half of next month. Once approved, the scheme will move closer to reality.Interestingly, the IT infrastructure needed for this facility is already in place. The upcoming meeting will focus on finalising the modalities and operational details before the service can be launched.

WHAT EPFO 3.0 PROMISES

EPFO 3.0 is expected to bring in a host of features that will make provident fund management faster and simpler for members. Claims will be settled automatically without manual intervention, and employees may soon be able to withdraw a portion of their PF savings directly from ATMs.Updating account details will also become easier as members will be able to make corrections online without visiting an EPFO office. In addition, the retirement body is looking to integrate social security schemes such as the Atal Pension Yojana and PM Jeevan Bima Yojana, offering broader coverage to workers.

Pharma stocks slide; US import tariffs trigger broad sell-off

CHENNAI.(Agency)

Pharma stocks led the decline in Indian markets on Friday, (September 26), with the Nifty Pharma index slipping sharply into negative territory. The sell-off was triggered by the US government's announcement of a 100 percent import tariff on patented and branded drugs starting October 1, a move that rattled investors and raised concerns over the future of Indian pharmaceutical exports.

Although Indian companies primarily export generic drugs to the US, the sweeping tariff decision has created uncertainty about whether future trade measures could extend to other categories such as complex generics or biosimilars. The announcement prompted a wave of selling across the sector, with all 20 constituents of the Nifty Pharma index trading lower in early deals. Heavyweight Sun Pharma was among the biggest drags, while Cipla, Biocon, Natco Pharma, and Laurus Labs also lost between 2 and 5 percent.The weakness in pharma came against a backdrop of fragile market sentiment. Global equities were under pressure as Asian stocks edged lower and investors turned cautious ahead of fresh US economic data and Federal Reserve signals. Continued foreign portfolio outflows added to the negative undertone in Indian markets, intensifying the fall in vulnerable sectors like pharma and IT.

Technical indicators also suggested weakness in the sector. Analysts noted that the Nifty Pharma index was already struggling near key support levels, and the tariff announcement accelerated the downside momentum. Some technical projections even warned of steeper corrections in select stocks if support zones fail to hold.

Festive season bonanza! Performance-linked reward for non-executive workers of Coal PSUs

New Delhi.(Agency)

In a good news for its non-executive workers, the coal PSUs under the Ministry of Coal on September 26, 2025 announced a Performance Linked Reward (PLR) of Rs 1,03,000 for them. The incentive decision was finalised at the 6th meeting of standardization committee of Joint Bipartite Committee for the Coal Industry, held on September 25, 2025.The Performance Linked Reward will benefit 2.1 lakh non-executive cadre employees of Coal India Limited, its subsidiaries and around 38,000 SCCL non-executive cadre employees, the Ministry of Coal stated in its release.The ministry informed that the amount will be credited to the accounts of the non-executive workers on pro-rata basis, depending on attendance. The PLR will have total financial implication of Rs 215382 crore for CIL and Rs 380 crore for SCCL.The decision to give monetary benefits was taken to reward the employees for their efforts and help them financially during the festive season."PLR aims to recognise the contribution and hard work of non-executive workers across all CIL subsidiaries & SCCL and ensure they are fairly rewarded for their efforts. The payment of PLR provides a timely boost to the workers and their families during the festive season."

Govt may tweak e-commerce FDI norms to boost MSMEs to export

Under this framework, third-party export entities would hold inventory and manage backend processes on behalf of MSMEs

NEW DELHI. (Agency)

To facilitate greater participation of MSMEs in global e-commerce exports, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) has proposed introducing an inventory-based e-commerce export model. Under this framework, third-party export entities would hold inventory and manage backend processes on behalf of MSMEs. To operationalise the model, DGFT has also suggested amendments to e-commerce FDI regulations, specifically reviewing the current prohibition on inventory-based e-commerce for this export-only carve-out. In its proposal (a copy of which has been reviewed by TNIE), DGFT highlighted that less than 10% of MSMEs selling online domestically participate in global e-commerce exports, primarily due to complex documentation, compliance requirements, packaging standards, limited expertise, and high logistics costs. As per the draft framework, the model will be strictly export-only — inventory held by export entities must be exclusively for exports (Export Inventory) and cannot be sold or diverted into the domestic tariff area (DTA). Any diversion would be considered a contravention attracting penalties. Only goods manufactured or produced in India and procured from domestic, GST-registered MSME sellers will qualify under this model. Export entities will also be required to establish internal grievance redressal systems to resolve seller complaints within 15 working days. Unresolved issues may be escalated to DGFT, which must provide a resolution within 30 days.A key safeguard for MSMEs is the mandatory pass-through of export-linked benefits. While export entities will be entitled to claim incentives such as GST refunds, duty drawback, and RoDTEP, they will be required to pass these benefits on to MSME sellers on a pro-rata basis. Designated export entities would act as intermediaries, handling paperwork, logistics coordination, and even managing refunds or product returns. They would also be able to access export-related incentives, with the government examining mechanisms to ensure that a share of these benefits flow directly to MSMEs. DGFT has also proposed strict penalties for non-compliance such as inventory diversion or delayed settlement of benefits.

From EMIs to assets: How home loans are creating India's new wealth generation

New Delhi.(Agency)

Owning a home in India today is about much more than having a roof over your head. For millions of Indians, monthly EMIs are no longer just loan repayments—they are stepping stones to long-term wealth.From middle-income families buying their first home to high-end buyers investing in luxury residences, home loans are quietly creating a new generation of asset holders.HOUSING FINANCE MARKET ON THE RISE

Amit Jain, CMD of Arkade Developers Limited, highlights the scale of the opportunity: "India's housing finance market, currently at Rs 33 lakh crore, is projected to cross Rs 78 lakh crore by FY 2030, growing 15–16% annually. Affordable housing alone is set to expand 20–22% a year, pulling millions of new buyers into the ownership cycle."He adds, "The average home loan size has climbed to Rs 74 lakh nationwide, with Mumbai at Rs 99 lakh and Gurugram at Rs 88 lakh. Loans above Rs 1 crore now make up nearly a fifth of disbursements, reflecting strong demand for quality housing.""With property prices rising 44–79% in top cities over the past five years—and moderate growth of 4–6% expected ahead—home loans are increasingly translating into wealth creation. Recent RBI rate cuts have only strengthened the trend, turning EMIs from debt obligations into disciplined savings and long-term appreciating assets," said Jain.This growth reflects how the real estate market is evolving from a necessity to an investment engine for Indian households.

EMIs AS A TOOL FOR INTERGENERATIONAL WEALTH

For many families, EMIs serve a bigger purpose than repayment – they are a pathway to future security.

Rohan Khatau, Director of CCI Projects Pvt Ltd, explains: "EMIs are not just a funding tool but a transition between present ambitions and future prosperity. Regular instalments slowly transform borrowed capital into a physical, growing asset, assisting families to create intergenerational wealth without the instability of entire financial tools."Khatau continues, "Middle-income earners are using stable sources of income to invest in property at current prices, as their ownership interest in the property increases on a monthly basis. With new infrastructure and metro connections, neighbourhood values are steadily rising, which makes an EMI more of an investment instalment than just a loan repayment."In other words, Khatau highlights how EMIs are transforming monthly obligations into tangible, long-term assets, offering both stability and growth.

Crypto in slump. 3 reasons why Bitcoin, Ethereum and Dogecoin are struggling

Kolkata.(Agency)

The cryptocurrency market is facing a rough day, with major tokens like Bitcoin, Ethereum, and Dogecoin all sliding in value. Investors are worried as global uncertainty and market pressures weigh heavily on sentiment.

The fall has wiped billions from the overall market, reminding traders how quickly things can turn in the world of digital assets.

BITCOIN, ETHEREUM AND DOGECOIN UNDER PRESSURE

Bitcoin, the largest cryptocurrency, is trading at $109,549.23, at time of writing this article (1200 pm). The coin has been volatile, falling by 6.14% over the last week. While long-term holders remain calm, short-term traders are reacting sharply to news, adding to price swings.Ethereum, too, has witnessed a drop in its value, declining by 13.09% over the last week and is trading at $3,943.35. The decline has been linked to heavy outflows from Ether-based ETFs, showing that institutional investors are turning cautious.Dogecoin has also been hit hard, slipping by 17.30% sine the past week, with its memecoin status making it more vulnerable to sudden selling.According to CoinSwitch Markets Desk, "The broader crypto market consolidated in red yesterday as lower-than-expected U.S. jobless claims tempered hopes of near-term Fed rate cuts. While risk-off sentiment has driven a wave of liquidations, an important countertrend is emerging: spot buyers are stepping in with larger allocation sizes."

REASONS WHY CRYTO IS DOWN

Several factors are behind cryptocurrencies' sharp slump.

Government Shutdown Fears Hit Sentiment

One of the biggest reasons for today's slump is the rising fear of a US government shutdown, which could unsettle financial markets and reduce risk appetite.

Mass Liquidations Amplify the Decline

Another factor dragging crypto prices down is the huge wave of liquidations. In the past 24 hours alone, more than $1.6 billion worth of leveraged positions have been wiped out.Most of these were long bets placed by traders expecting prices to rise. As these positions got liquidated, it created a chain reaction of selling, putting further pressure on Bitcoin, Ethereum and other tokens.Options Expiry Adds to the Pressure

The upcoming expiry of billions of dollars in Bitcoin and Ethereum options has also unsettled the market. Traders are adjusting their positions ahead of the expiry, leading to more volatility.

Tata Motors bucks weak market as JLR restarts operations after cyberattack

CHENNAI.(Agency)

Tata Motors shares traded higher on Friday, standing out in an otherwise weak market where most sectors were under pressure. The stock gained after its UK subsidiary Jaguar Land Rover announced that it had begun a phased restart of operations, restoring some of the digital systems that had been knocked offline by a recent cyberattack. The update eased concerns about prolonged disruptions at the luxury carmaker, which accounts for a significant share of Tata Motors' revenues.Investors welcomed the news as a sign that JLR's operations could gradually return to normal, limiting the financial impact of the shutdown. The recovery at JLR comes after Tata Motors' stock had fallen for two consecutive sessions, making Friday's gains partly a result of bargain-hunting and technical support.

Jaguar Land Rover had been forced to shut down production for several weeks after a major cyberattack disrupted its digital systems earlier this month. The incident affected ordering platforms, parts supply chains, and some manufacturing operations, leading to concerns about delays in deliveries and revenue losses. Industry reports suggested the shutdown could last up to four weeks, making Friday's announcement of a phased restart a key relief for both the company and its investors.The disruption had aso raised questions about cybersecurity preparedness in global auto manufacturing, where heavy reliance on digital networks makes companies more vulnerable to such attacks. While the full financial impact on JLR is still being assessed, analysts believe that restoring core systems quickly is critical to limiting damage and restoring business confidence.

The rebound is notable given the broader weakness in the Indian market, which has been under pressure from global trade concerns, foreign outflows, and volatility in key sectors. While Tata Motors' outperformance reflects optimism around JLR's recovery, analysts caution that the company continues to face headwinds from weak demand, tariff-related pressures, and rising costs across its global and domestic businesses.For now, however, the phased reopening at JLR has provided a short-term boost, allowing Tata Motors to buck the market trend and attract renewed buying interest.

Why more insurance policyholders are turning to private grievance platforms

Rising disputes reveal persistent mis-selling and transparency gaps in India's insurance sector, with policyholders increasingly turning to platforms like Insurance Samadhan to assert rights and seek timely redressal.

New Delhi.(Agency)

More and more policyholders are bypassing official grievance channels, turning instead to private platforms that promise faster, simpler resolutions. Distrust is growing in formal systems like the Insurance Regulatory and Development Authority of India's (IRDAI) Bima Bharosa portal and the Insurance Ombudsman, which many find confusing and slow"There exists a clear gap in the insurance journey—most policyholders struggle to understand their policy documents, present their cases effectively, or even know their rights. While platforms like Bima Bharosa and the Insurance Ombudsman exist, they require a certain process to be followed," said Shilpa Arora, Co-Founder and COO at Insurance Samadhan.In reality, most policyholders are not even aware of these channels. Many only reach the insurer's call center, not even the Grievance Redressal Officer (GRO), and often lose hope when their issue remains unresolved," she added.Arora said that's when people begin searching for genuine help. In just April–June 2025, Insurance Samadhan reported 4,004 disputes worth over Rs 75 crore—a 45% jump from the previous quarter. Health insurance made up nearly two-thirds of the complaints, followed by life and motor insurance.

Since its inception, the platform has handled more than 18,000 grievances, mostly health claim rejections and mis-selling.In contrast, IRDAI's Bima Bharosa portal processed over 2.1 lakh grievances in 2023–24, while the Insurance Ombudsman handled 52,575. Awareness of these official channels, however, remains low. Those who try often face delays or procedural hurdles. Ombudsman awards are binding only up to Rs 50 lakh, leaving bigger disputes unresolved.Health insurance has emerged as the flashpoint. In FY24, rejections in health claims touched Rs 26,000 crore—a 19% rise from the previous year. Many were turned down over technical issues such as documentation lapses or alleged non-disclosure. For policyholders, these battles often come in the middle of medical crises, adding emotional strain on top of financial stress.

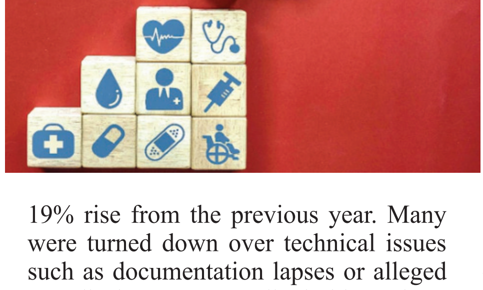

Experts blame weak regulatory intervention. Dr. KC Haridas, PhD (Insurance), FIII, and Composite Insurance Broker, said, "From our experience, IRDAI often acts as a post office: it forwards complaints to the insurance company and asks for explanations. If the company's explanation is satisfactory, the matter is dropped. There is little intervention from IRDAI in these cases."He added that the complexity of the redressal system—ombudsman, IRDAI, consumer courts—worsens the trust deficit. "People lose faith in insurance when small valid claims are denied, even after paying premiums for years. The best option is to work with a technically competent insurance broker (not aggregators), who can advocate for the client and get claims settled," Dr. Haridas said."The premium does not increase for using a broker as their commission is built into the premium, and GST on brokerage is now zero. If a common health industry regulator is introduced—similar to RERA in real estate—malpractice can be curbed, and consumer protection will improve," he added.

MiG-21 testimony to India-Russia ties, not just aircraft: Rajnath at jet's farewell

➤Defence minister Rajnath Singh said the MiG-21 is not just an aircraft but a testimony to India-Russia ties. He added that from the 1971 war to the Balakot airstrike, the jet has stood as a symbol of strength and valour for the armed forces.

Agency New Delhi.

Defence minister Rajnath Singh on Friday said the MiG-21 is not merely an aircraft but a shining example of the deep relations between India and Russia. He hailed the legendary jet as a "mighty machine, national pride and defence shield" that shaped the nation's confidence and inspired generations of air warriors."We have a deep attachment to it. For a long time, MiG-21 has been a witness to numerous heroic deeds. Its contribution has not been limited to a single event or a single war," Singh said at the decommissioning ceremony of the aircraft at Chandigarh Air Force Station.Recalling its role in the 1971 war, the Kargil conflict, the Balakot airstrike and Operation Sindoor, he said, "Who can forget the 1971 war? During the war with Pakistan, in adverse circumstances, the MiG-21 attacked the Governor's House in Dhaka, and on that very day, it outlined the result of that war. Besides this, in its long history, there have been many such occasions when the MiG-21 proved its decisive capacity."

Whenever there have been historic missions, every time the MiG-21 enhanced the honour of the tricolour. Therefore, this farewell is also of our collective memories, of our national pride, and of that journey in which the story of courage, sacrifice and excellence has been written," he added.

The grand event featured a spectacular display by IAF's elite skydiving team Akash Ganga, who jumped from 8,000 feet, followed by a majestic flypast in three-aircraft Badal and four-aircraft Panther formations. The Surya Kiran aerobatic team enthralled the audience with breathtaking manoeuvres, while the air warrior drill team performed with precision before an aerial salute to the retiring jet.

The ceremony also included a symbolic dogfight sequence between MiG-21s and Jaguars, reminiscent of Wing Commander Abhinandan Varthaman's 2019 Balakot encounter where a MiG-21 shot down a Pakistani F-16.Several dignitaries, including former IAF chiefs S P Tyagi and B S Dhanoa and Group Captain Shubhanshu Shukla, attended the ceremony.

The MiG-21 was the first supersonic fighter inducted into the IAF, and over 870 were procured to strengthen combat power. They served as the backbone of the force for decades and played decisive roles in the 1965 and 1971 wars with Pakistan, the 1999 Kargil conflict and the 2019 Balakot airstrike.However, the aircraft also had a chequered history, being involved in multiple crashes over the years, which often raised concerns about its safety record. Despite this, the MiG-21 remains etched in history as the IAF's trusted workhorse.

"MiG-21 Has Been A Huge Part Of My Life": Astronaut Shubhanshu Shukla

Agency New Delhi.

Indian astronaut Shubhanshu Shukla, who is witnessing the final flight of the Indian Air Force's (IAF) iconic fighter jet MiG-21 on Friday, said he has spent a "big part of his life" with the aircraft. Mr Shukla actively flew the MiG-21 fighter jet between 2007 to 2017, he said.

"MiG-21 has been a huge part of my life. I have done a lot of flying in this aircraft. It has taught me a lot, and I'm very excited to be here to see the last flight of the MiG-21 and meet everybody who was a part of my journey. First, I flew the MiG-21 Calibre variants, then the MiG-21 Bison. I have been in a lot of squadrons, too. It has been a great experience," the Group Captain said.

"Feeling nostalgic", Mr Shukla said, "I have spent a big part of my life with this aircraft. And now it is being decommissioned. And it is going to be my last flight. I wanted to sit in a cockpit and fly today. But unfortunately, I didn't have enough time to do that. But I am very happy to be here. I am very happy to see the MiG-21 again."

He added, "It is very enlightening for anybody, and for me, I would say it is a personal journey of my growth along with the aircraft. So I am feeling great to be here."

India's farewell to MiG-21

Inducted in 1963, the MiG-21 aircraft is retiring today after nearly six decades, with India giving it a farewell at the Chandigarh air base. During the farewell event, Air Chief Marshal AP Singh flew the last sortie of the MiG-21 Bison aircraft. Defence Minister Rajnath Singh, former IAF chiefs AY Tipnis, SP Tyagi, and BS Dhanoa, India's first man on the International Space Station, and scores of veterans, many who had piloted the aircraft, were present on the occasion.The Defence Minister described the MiG-21 as a "mighty machine" and a "national pride"."There is a deep attachment to the aircraft that shaped our confidence. MiG-21 is not only an aircraft or machine but also proof of deep India-Russia ties. The history of military aviation is incredible. The MiG-21 added many proud moments in our military aviation journey," he said.

CPWD to strengthen government buildings for earthquake safety

Agency New Delhi.

The Central Public Works Department (CPWD) is set to launch a comprehensive structural safety audit of government buildings under its jurisdiction, with a primary focus on high-risk structures in the national capital such as hospitals, schools, colleges, and institutional buildings.The move is in response to a Delhi High Court directive enforcing a 2019 seismic safety action plan.

According to officials, the CPWD will complete the structural audits within one year, and retrofitting or strengthening of identified buildings must be completed within two years thereafter.

They said that priority will be given to buildings constructed before 2002, which are more likely to fall short of current seismic standards.The Delhi High Court had made it clear that the 2019 seismic safety plan issued by the city's urban development department carries the weight of a statutory mandate.

The court said that all local authorities are legally bound to implement the plan, regardless of whether they were a party to the litigation.

While the CPWD was not directly involved in the case, it constructs and maintains a large number of government buildings in Delhi and issues building plan approvals. As such, officials said implementation of the action plan is both "necessary and advisable."In an official note, the CPWD said that that all new building approvals will now require structural safety certificates from qualified structural engineers. For existing structures, audits and retrofitting will proceed depending on the availability of engineers and funding.The department also indicated that this initiative may be extended to other parts of the country, particularly areas in seismic zones IV and V. Regional data will be compiled and submitted to the CPWD's Director General, with progress to be reviewed every six months.

Why BJP chose Biplab Deb for a crucial state like West Bengal

Agency New Delhi.

The BJP's decision to entrust Lok Sabha MP Biplab Kumar Deb with a larger political role in West Bengal is not without reason. His journey within the party, from a Delhi-based karyakarta to the Chief Minister of Tripura and now a Lok Sabha MP, reflects both political acumen and organisational grit.

Biplab Deb's entry into Tripura politics in 2015 marked a turning point for the BJP in the northeast. When he landed in the state, the party was virtually non-existent, lacking even Mandal Adhyakshs.

However, the membership drive, which attracted more than 1.5 lakh people through a missed call campaign, offered Deb an opportunity to build from scratch. He personally reached out to new recruits, in some cases even visiting households of CPI(M) leaders whose family members had joined the BJP.

Recognising his relentless efforts, Union Home Minister Amit Shah appointed Deb as the state BJP president in 2016. Just two years later, Tripura witnessed a political upheaval: the BJP won 36 of 60 Assembly seats, ending 25 years of Left rule.Deb became the state's first BJP Chief Minister, a feat that cemented his reputation as a grassroots organiser capable of challenging entrenched regimes.

His political trajectory only rose further. In the 2024 Lok Sabha elections, Deb secured the Tripura West Lok Sabha seat with 8,81,341 votes, defeating Congress's Ashish Kumar Saha by an emphatic margin of 6,11,578 votes -- one of the largest ever in the constituency.

Soon after, the party tested his skills on a bigger stage, appointing him co-in charge of the 2024 Haryana Assembly Elections.

At stake was not just another state election, but the BJP's credibility after its poor Lok Sabha performance earlier that year.

Haryana was grappling with anti-incumbency, and the election was widely described as a litmus test. Working under the leadership of Dharmendra Pradhan, Deb crafted strategies that delivered the BJP a historic third consecutive government in the state, restoring confidence in the party's organisational machinery.

"What's Wrong With That?" Supreme Court Relief For CBI In Tirupati Laddoo Row

Agency New Delhi.

In a relief for the CBI in the Tirumala Tirupati laddoo row, the Supreme Court on Friday stayed the Andhra Pradesh High Court's order that held that the director of the country's premier investigative agency acted contrary to the top court's directions by allowing an officer not formally part of the special investigation team (SIT) to investigate the case."If the SIT wants to appoint a special officer, what's wrong with that?" a bench comprising Chief Justice BR Gavai and Justice K Vinod Chandran said.

The high court had said that the CBI director acted contrary to the Supreme Court's directions of 2024 by allowing J Venkat Rao to investigate the use of "adulterated ghee" in the preparation of prasadam (religious offerings) at Tirumala Tirupati Devasthanams in Andhra Pradesh.

The high court said it ordered the formation of an independent five-member SIT comprising two CBI officers, to be nominated by the director, two officers of Andhra Pradesh Police, to be nominated by the state, and one senior official of the Food Safety and Standards Authority of India.

It said that Venkat Rao was not specifically named as one of the state's representatives in the SIT and held that he could not assume investigative powers in the matter.The high court order came on a plea filed by Kaduru Chinnappanna, who alleged harassment at the hands of Mr Rao.Mr Chinnappanna alleged that he was repeatedly summoned by Mr Rao and was compelled to appear before the SIT office at Tirupati, and pressured into giving "scripted false statements".

Delhi to conduct its first cloud seeding trial in October as part of plan to tackle pollution

Agency New Delhi.

The Delhi government on Thursday signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur to conduct pilot cloud seeding trials in the national capital.The agreement, formalised at the Delhi Secretariat in the presence of Chief Minister Rekha Gupta and Environment Minister Manjinder Singh Sirsa, will allow scientific experiments aimed at inducing artificial rainfall in northwest Delhi during the months of October and November.

Announcing the project, Sirsa said the first trial is scheduled to take place between October 7 and 9, with up to five trials planned over the next two months, depending on the outcomes of the initial attempt.

"We will evaluate the results of the first trial before proceeding with subsequent operations," he noted. The project, estimated to cost Rs 3.2 crore, is part of a broader strategy to tackle Delhi's chronic pollution problems using advanced scientific methods. Gupta described the initiative as both "historic and beneficial" for the city.

"From promoting electric mobility to reducing smog emissions, we are working on every possible front. This MoU will pave the way for cloud seeding trials that will provide valuable data and potentially offer a new tool in our fight against pollution," CM Gupta said.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) recently granted approval to IIT Kanpur under Rule 26(2) of the Aircraft Rules, 1937. The clearance allows the Department of Aerospace Engineering at IIT Kanpur to conduct the operations using a Cessna 206-H aircraft (VT-IIT). The flights will be conducted under strict visual flight rules, in compliance with air traffic regulations, and only after obtaining clearances from state and local authorities.

Vehicles per 1K people, accidents dip in Delhi: Report

Agency New Delhi.

The national capital has witnessed a significant decline in the number of vehicles per 1,000 people over the past eight years, along with a reduction in road accidents, even as ridership trends on buses and metro services showed contrasting patterns, according to the Delhi State Framework Indicator Report on Sustainable Development Goals released by the Directorate of Economics and Statistics.The report reveals that vehicle density per 1,000 population dropped sharply from 530 in 2015–16 to 370 in 2022–23, before marginally rising to 373 in 2023–24. This decline coincided with a fall in the number of road accidents, which decreased from 8,085 in 2015 to 4,720 in 2021.

However, accident figures climbed again to 5,560 in 2022.Data from the National Crime Records Bureau, cited in the report, showed that 9,880 people were killed or injured in road accidents in 2015. This number reduced to 5,228 in 2021 but increased to 6,174 in 2022, indicating a reversal of the declining trend.

Public transport usage presented a mixed picture. The fleet of Delhi Transport Corporation (DTC) and cluster buses grew from 5,842 in 2015–16 to 7,485 in 2023–24. Yet, their average daily ridership fell from 4.59 million passengers to 4.24 million during the same period. In contrast, the Delhi Metro recorded a dramatic rise in ridership, surging from 2.62 million in 2015–16 to 5.78 million in 2023–24.

Access to public transport also fluctuated. In 2015–16, 42.95 per cent of Delhi's population had access to such facilities. This dropped to 40.80 per cent in 2022–23 before improving to 45.83 per cent in 2023–24.The report underlines that by 2030, the government aims to ensure safe, affordable, accessible, and sustainable transport for all. The focus is on improving road safety, expanding public transport, and paying special attention to vulnerable groups including women, children, the elderly, and persons with disabilities. The findings reflect both progress and persistent challenges as the national capital works toward meeting its sustainable development goals in the transport sector.

Assam man jumps into Brahmaputra in grief over Zubeen Garg's death

A grief-stricken fan jumped into the Brahmaputra after singer Zubeen Garg's death, while the SIT probing the case arrested musician Shekhar Jyoti Goswami.

Agency New Delhi.

On Wednesday, at Guwahati's Saraighat Bridge, a young fan, overcome with grief, tore his clothes and cried out: "When Zubeen Da is not here, what will we do? Joi Zubeen Da!" In a moment of despair, he jumped into the Brahmaputra flowing below.

Witnesses stood in stunned silence as the dramatic scene unfolded. Police teams from Pandu, with the help of the State Disaster Response Force (SDRF), launched an extensive rescue operation that stretched up to the hills of Sualkuchi. The Assam Police confirmed that they were able to rescue him, and he was now under medical care.

On Thursday, the Special Investigation Team (SIT) probing Garg's death arrested musician Shekhar Jyoti Goswami. Officials confirmed that Goswami, who was present during the controversial yacht trip linked to the incident, has been taken into custody for questioning. The nature of allegations against him has not yet been disclosed, and no formal charges have been announced.

Sources confirmed that the investigation is progressing with multiple leads as investigators attempt to reconstruct the chain of events that led to Garg's sudden demise.

The Assam government has constituted a 10-member SIT headed by Special DGP MP Gupta to investigate the circumstances of Garg's death.Born in Meghalaya, Garg rose to fame in Assam's music scene in the early 1990s and became a household name nationwide after his hit song "Ya Ali" in the Emraan Hashmi-starrer Gangster (2006).

In addition to Hindi, he recorded songs in his native languages, Assamese, Bangla, Nepali, and several other regional languages, building a loyal fanbase with diverse audiences.

Often hailed as the "voice of Assam," Garg died at 52 in Singapore following a scuba diving accident. Despite being rescued from the sea and rushed to intensive care, doctors could not save him.

According to sources, Garg fell unwell during a sea outing and was taken to a nearby hospital, where he was placed under intensive care but did not survive. His sudden demise has left fans, the Assamese community, and the Indian music industry in shock.

NEWS BOX

About 25 suspects ransack California jewellery store in USD 1 million heist

San Ramon. (Agency)

A group of nearly 25 people staged a violent daylight robbery at Heller Jewellers in San Ramon on Monday, making off with around USD 1 million worth of merchandise before police captured several of them after a high-speed pursuit.The mob stormed the upscale store at City Centre Bishop Ranch shortly after 2 pm, armed with at least three guns, crowbars and pickaxes. They smashed open display cases and swept up jewellery while customers and staff scrambled for cover.Newly installed security doors, part of upgrades after a 2023 break-in, briefly trapped the suspects inside, ABC News reported. At least one suspect fired shots at the glass entryway, police said, but no one was injured.Investigators believe the heist was carefully choreographed. The group arrived in six vehicles, parking in the valet zone less than 100 feet from the entrance.The suspects, aged 17 to 31, are all from Oakland and are suspected of involvement in other Bay Area robberies. Two guns and some of the stolen jewellery pieces were recovered, along with several getaway cars that had been reported stolen.

Trump announces 100% tariff on drugs, puts India pharma exports at risk

Washington.(Agency) :

US President Donald Trump on Thursday unveiled another round of sweeping import taxes, declaring he will slap tariffs of up to 100 per cent on goods ranging from pharmaceutical drugs to kitchen cabinets.

"I'm putting a 100 per cent import tax on pharmaceutical drugs unless the companies are building plants right here in the United States," Trump said on Truth Social. "Breaking ground, under construction, that's the deal. No exceptions."Trump's latest tariff blitz, set to take effect October 1, includes a 50 per cent tax on kitchen cabinets and bathroom vanities, 30 per cent on upholstered furniture, and 25 per cent on heavy trucks.Foreign producers, he argued, were undercutting US companies. "Furniture and cabinetry are flooding the United States. Heavy trucks and parts are hurting our own producers. Tariffs are needed — for National Security and other reasons," Trump said.

The measures come just weeks after the White House announced earlier trade frameworks and import taxes. According to the Associated Press, Trump remains convinced tariffs can help cut the federal deficit while boosting domestic manufacturing.

But critics warn the strategy risks worsening inflation and stifling growth as businesses already adjusting to earlier tariffs face fresh costs and uncertainty.The president dismissed those concerns. "We're protecting American jobs, we're protecting American factories," he said. "It's very simple. If you want to sell here, you build here."

Russia and Ethiopia sign action plan for nuclear power plant project

world. (Agency)

Russia and Ethiopia signed a document on Thursday calling for the planning and construction of a nuclear power plant in the East African country, RIA news agency quoted Rosatom, the state-owned Russian nuclear corporation, as saying.An action plan on development and construction of the facility was signed during a nuclear power forum by the general director of Rosatom, Aleksei Likhachev, and Ashebir Balcha, CEO of the Ethiopian Electric Company, RIA said.The document said the two sides agreed to create a detailed construction plan and a "road map" for the technical and economic foundation of the project and an intergovernmental agreement to proceed.The agreement also calls for training for staff in operating the plant and developing the nuclear sector.arlier, Niger's mining minister, Ousmane Abarchi, said his country wanted to build two 2,000-megawatt nuclear reactors in partnership with Rosatom.

Gunfire erupts outside Brazil school, leaving 2 dead and 3 others wounded

world.(Agency) :

Two teenagers have died and three others were left wounded after a shooting at a school in Ceara state in northeastern Brazil on Thursday, authorities said.Unidentified suspects opened fire from the sidewalk outside the school in the city of Sobral, shooting the victims in the parking lot, according to the state's Secretariat of Public Security and Social Defence.

Three others were injured and taken to hospitals in the region.Officials did not disclose the victims' identities or confirm whether they were students. Police said drugs, a precision scale and packaging materials were found at the scene. A hunt is on for the suspects.Gov. Elmano de Freitas called the shooting "the most serious and intolerable event.

Suspected pork parcel sent to Singapore mosque; playing with fire, warns minister

Singapore. (Agency)

Meat which "appears to be pork" has been found in a parcel sent to a Singapore mosque, Home Affairs Minister K Shanmugam said, adding that the act was like "playing with fire" in a multi-ethnic community.This is not an isolated incident. There have been "other similar cases" of meat being sent to other mosques recently, which police are investigating, the Channel News Asia quoted the minister as saying on Thursday.Shanmugam, also the Coordinating Minister for National Security, said the suspicious parcel sent to Al-Istiqamah Mosque in Serangoon housing precinct contained a piece of meat that "appears to be pork" at first sight.But if it is pork, and it's sent to a mosque, you can see the implications. It's much worse," said Shanmugam. "Whatever the motive, this is playing with fire."Authorities are treating this matter very seriously and will deal firmly with anyone found responsible, he added.Checks are still being done to confirm the type of meat in the parcel, Shanmugam said. Regardless, he said, it was "obviously inflammatory" to send it to a place of worship in this way.Police are investigating "other similar cases" of meat being sent to other mosques recently, he said.On Wednesday evening, the Singapore Police Force was alerted to the case of the parcel being delivered to the mosque, and worked with the Singapore Civil Defence Force to evacuate the building as a precaution.Hazardous materials specialists conducted checks with detectors but found no hazardous substances. A woman was assessed for breathlessness at the mosque and taken to a hospital, according to media reports. She been discharged from the hospital.Police have since stepped up visits to mosques and will continue to do so, Shanmugam said."We will do whatever we can to ensure that our places of worship remain safe," the Channel quoted the minister as saying.In April 2024, a 30-year-old man was sentenced to 12 weeks in jail for stealing two cans of pork from a supermarket and placing them on a shelf at the entrance of Al-Ansar Mosque in Bedok North, another housing estate."Targeting a place of worship is completely unacceptable. We have zero tolerance for these sorts of actions. People really should be able to practice their religion in an atmosphere of trust and faith, and with mutual respect," Shanmugam said."(In) some countries, these sorts of incidents are very common. They are deliberate. They create distrust between communities. They deepen divides," he said."The same can happen here if we are not careful. So how we react to these incidents is very important."He said the Al-Istiqamah mosque leadership has called for calm.

Prayers were held as usual for its congregants on Thursday morning and the atmosphere was peaceful, he said.I understand leaders and members of other faiths have also spoken out to express their concerns about the incident. That shows the solidarity, and that's the Singapore way," said Shanmugam.The minister also briefly referenced two cases in recent years -- that of the Catholic priest who was stabbed at St. Joseph's Church in November 2024, and of the 2020 detention of a 16-year-old who was planning to conduct attacks on two mosques."It's not possible for us to turn all places of worship into cantonments ... Our places of worship should not be, cannot be turned into fortresses," Shanmugam said.

"They are open places, open to the public. Police will act based on intelligence, and places of worship also have their own security arrangements. We will do what is sensible to protect public safety," he said.

Microsoft trims service to Israel over mass surveillance in Gaza, West Bank

SAN FRANCISCO.(Agency)

Microsoft on Thursday said it cut an Israeli defense unit's access to some cloud services apparently being used as part of a mass surveillance operation in Gaza.The move came after Microsoft spent more than two months investigating a report in The Guardian that the Israeli Defense Force was using cloud service Azure "for the storage of data files of phone calls obtained through broad or mass surveillance of civilians in Gaza and the West Bank.""We have found evidence that supports elements of The Guardian's reporting," Microsoft president Brad Smith said in a message to employees posted online. "We do not provide technology to facilitate mass surveillance of civilians."

Microsoft reviewed the decision with the Israel Ministry of Defense along with steps the tech firm is taking to ensure compliance, according to Smith.

"This does not impact the important work that Microsoft continues to do to protect the cybersecurity of Israel and other countries in the Middle East," Smith said.

Protesters in Mexico ram gates of military base to protest 43 students who disappeared

MEXICO CITY.(Agency)

Protesters who want justice in the case of 43 students who disappeared in 2014 rammed the gates of a military base in Mexico City with a truck Thursday and set the vehicle on fire.

The protest came on the eve of the anniversary of the disappearance of the Ayotzinapa Rural Teachers' College students, a case that for many Mexicans has become emblematic of state involvement in bloodshed in the Latin American nation.The students in 2014 had commandeered several buses that they planned to drive to Mexico City for a protest commemorating a 1968 massacre of protesters by government forces.Authorities believe the students were abducted on the way and killed by members of a criminal cartel with ties to government and military officials, and dozens of people have been arrested, including a former attorney general, local offcials, military and police officers.

However, nobody has been convicted yet, and many protesters believe the state involvement in the Ayotzinapa killings may go deeper than what has been revealed so far.Current students from the school, in the southern Mexican state of Guerrero, joined relatives of the missing for a demonstration at the military base to push Mexico's army to help clarify the disappearances. The protesters carried photos of the missing.

Shortly afterward, some of the young demonstrators with their faces covered backed a truck into one of the entrances of the military compound. Once the vehicle was stuck, they launched fireworks at it until it caught fire.Authorities reported no injuries.

Thursday's action could signal more aggressive protests to come on Friday, the 11-year anniversary of the brutal attack.Many of the details of the crime remain a mystery – neither the motive nor the fate of the victims has been fully established, though the charred remains of three of them have been identified.Following many years of cover-ups, a government truth commission in 2022 declared the disappearance of the Ayotzinapa students a "state crime."Authorities believe all the students were killed by members of a cartel that trafficked heroin and acted in collusion with security forces and local, state and federal authorities, including military personnel.The case continues to fuel outrage across Mexico. For years, families and their lawyers have demanded Mexican armed forces hand over hundreds of documents that could be the key to solving the case, but the military hasn't done so.While President Claudia Sheinbaum has replaced the prosecutor in charge of the case and insists there are new lines of investigation, families say they've seen no progress.

World leaders step up efforts behind the scenes at UN to end war in Sudan

UNITED NATIONS. (Agency)

Behind the scenes at the annual gathering of world leaders at the United Nations, key countries and regional organizations have been coordinating efforts to try to end the horrific war in Sudan, which has created the most devastating humanitarian and displacement crisis in the world.

Alan Boswell, the International Crisis Group's project director for the Horn of Africa, said this year's high-level General Assembly meeting, which ends Monday, could be "make-or-break" for stopping the conflict.

"For the first time since the war broke out more than two years ago, Sudan's most influential outside powers agreed this month on a roadmap to end the war," he said in a statement. "Now comes the huge task of trying to convince Sudan's warring parties to stop fighting."Sudan plunged into conflict in mid-April 2023, when long-simmering tensions between its rival military and paramilitary commanders broke out in the capital, Khartoum, and spread to western Darfur and much of the rest of the country.

At least 40,000 people have been killed, nearly 13 million displaced and many pushed to the brink of famine with over 24 million acutely food insecure, UN agencies say.Diplomats seek humanitarian truce and ceasefire

In a key development after a summer of discussions, the United States, Saudi Arabia, Egypt and the United Arab Emirates issued a joint statement on Sept. 12 calling for a humanitarian truce for an initial three months to deliver desperately needed aid throughout Sudan followed by a permanent ceasefire.

Then, the four countries said, "an inclusive and transparent transition process should be launched and concluded within nine months to meet the aspirations of the Sudanese people towards smoothly establishing an independent, civilian-led government with broad-based legitimacy and accountability."

The group, calling themselves the Quad, met Wednesday on the sidelines of the assembly to discuss implementation of their roadmap.Another meeting also focused on de-escalating the war was convened Wednesday by the African Union, the European Union and the foreign ministers of Germany, France and the United Kingdom. Representatives of the Quad, a dozen other countries, the Arab League, the United Nations and the east Africa regional group IGAD also attended.A statement issued by the AU, EU, France, Germany, UK, Denmark, Norway and Canada after the meeting urged the warring government and paramilitary Rapid Support Forces to resume direct negotiations to achieve a permanent ceasefire.It welcomed the Sept. 12 statement by the Quad, and expressed support for efforts by the AU and the EU "to coordinate international and bilateral efforts to pressure all Sudanese parties towards a ceasefire, humanitarian action and political dialogue."

Indian Man, Who Arrived In US Illegally, Arrested For Multi-Car Crash In California

New York/Washington. (Agency)

An Indian national, who had arrived in the US illegally, has been arrested for causing a multi-vehicle crash while driving a truck in California last year that critically injured a five-year old child and left her with life-altering injuries.The US Immigration and Customs Enforcement (ICE) arrested Partap Singh last month and he will remain in ICE custody pending immigration proceedings.The agency said that in June 2024, Singh caused a multi-car pileup while driving a commercial 18-wheeler in California.Singh had illegally crossed the southern border in October 2022 and was "released" into the country by the Joe Biden administration, the Department of Homeland Security (DHS) said in a statement on Thursday.

The California Highway Patrol (CHP) Traffic Crash Report states that Singh drove at an unsafe speed and failed to stop for traffic and a construction zone.Singh had been issued a commercial driver's license by California Governor Gavin Newsom's Department of Motor Vehicles.

The accident left five-year-old Dalilah Coleman with critical, life-altering injuries. The agency added that the collision also resulted in the hospitalisation of Coleman's stepdad Michael Krause while the child had to be airlifted to a hospital after suffering critical injuries. Several other individuals were also transported to hospitals for injuries.

According to Coleman's father, the crash resulted in her inability to walk, talk, eat orally, or attend kindergarten as planned. She was in a coma for three weeks and required six months of hospital treatment.

While in the hospital, she had a craniectomy and was without half of her skull for four months. She experienced a broken femur, skull fractures, and has since been diagnosed with diplegic cerebral palsy, global developmental delay, and will need life-long therapy, the agency said.

"Dalilah Coleman's life was forever changed when an illegal alien driving an 18-wheeler slammed into her and her family.

This tragedy was entirely preventable," DHS Secretary Kristi Noem said.

This is "sadly" another example of Newsom's California Department of Motor Vehicles issuing an illegal individual a commercial driver's license, she added."How many more innocent people must become victims before Gavin Newsom stops playing games with American lives? DHS is working around the clock to remove dangerous aliens—like Singh—who have no right to be in the US," Noem said.This is the second such case involving an Indian, who had been living illegally in the US and was arrested for causing a fatal accident while driving a commercial vehicle.In August, Harjinder Singh was arrested on three counts of vehicular homicide. He was also driving an 18-wheeler vehicle on a Florida highway and attempted to make an illegal U-turn.By blocking all lanes of the highway with his truck, Harjinder Singh caused a fatal accident, instantly killing three people.The DHS had said that Harjinder Singh had obtained a commercial driver's license in California, despite having no legal right to be in the United States.In the wake of the fatal accident, the US said it was immediately pausing all issuance of worker visas for commercial truck drivers.

"The increasing number of foreign drivers operating large tractor-trailer trucks on US roads is endangering American lives and undercutting the livelihoods of American truckers," Secretary of State Marco Rubio had said.

NEWS BOX

No Bumrah perks, but Mohammed Shami toiling to keep India comeback dream alive

New Delhi. (Agency)

There is no update on Mohammed Shami, said chairman of the national selection committee Ajit Agarkar on September 25 while announcing India's Test squad for the home series against the West Indies. The 35-year-old fast bowler was left out of the two-Test series, with Agarkar indicating that Shami simply hadn't played enough domestic matches to earn a comeback.Once considered inseparable from Jasprit Bumrah in India's pace attack, Shami has slipped off the radar in all formats. The hero of the 2023 ODI World Cup last played a Test in the 2023 World Test Championship final, and his final white ball game in the Champions Trophy 2025.Since Shami dropped off the radar, India have played five Tests against England, enjoyed a strong Asia Cup 2025 campaign, and named their squad for the first home Test series of the season. The selectors picked Bumrah, Mohammed Siraj, and Prasidh Krishna, the trio from the England Tests, as the specialist pacers for the West Indies series.India Today has learnt that the omission has frustrated those close to Shami, who believe the veteran still has plenty to offer in all formats.Once a permanent fixture in the playing XI, Shami's fortunes changed after he was ruled out with ankle and knee injuries suffered during the 2023 ODI World Cup. After going under the knife for his ankle issue, It took him nearly six months in rehab to get back in the field once again. But despite repeatedly declaring himself fit during the 2024-25 Border-Gavaskar Trophy, when India's bowling stocks were stretched, Shami was overlooked.He returned in time for the Champions Trophy and led India to victory in Dubai, finishing as the team's best pacer with nine wickets in five games. Yet, despite that form, he has been sidelined again.The snub, particularly in the red-ball format, has not gone down well. A source close to Shami said the mood in his camp is grim, with frustration stemming from what they believe are double standards in selection.

IND vs WI: West Indies suffer big blow as Shamar Joseph ruled out of series

New Delhi. (Agency)

West Indies have suffered a big blow ahead of the series against India as pacer Shamar Joseph has been ruled out of the two-match series on Friday, September 26 due to an injury. Shamar has been replaced in the lineup by Johann Layne, who is an all-rounder.The 26-year-old pacer was expected to be one of the main bowlers for West Indies in India during the Test series, which will begin on October 2 in Ahmedabad. Shamar has been in incredible form in Tests, picking up 22 wickets from three matches he has played this year and finding himself amongst the top five wicket-takers in the format.Shamar will be re-evaluated ahead of the Bangladesh limited-over series, which will begin on October 18 and consists of three ODIs and T20Is."Johann Layne has replaced Shamar Joseph in the squad for the test series against India. Joseph has been ruled out due to an injury and will be re-evaluated ahead of the Bangladesh limited-overs series," read the statement from West Indies cricket.Layne has played 19 first-class games so far in his career. During this time he has scored 495 runs in 32 innings with two fifties to his name. However, his returns with the ball makes him a valuable option for West Indies during the series.Layne has picked up 66 wickets in his first-class career so far at an average of 22.88, with four five-wicket hauls to his name.The series against India will be played Ahmedabad and Delhi, with the second Test starting on October 10th. India announced a strong squad for the series, with the likes of Karun Nair, Abhimanyu Easwaran missing out and Axar Patel and Devdutt Padikkal coming into the mix.

The Wall gets tougher: PR Sreejesh trades easygoing charm for coaching discipline

From being a chill goalkeeper on the field to being a strict taskmaster on the halfway line, PR Sreejesh tells India Today about his coaching style, mentor role with SG Pipers and his ultimate goal as the senior team coach.

New Delhi. (Agency)

The last time I talked to PR Sreejesh was just before the Paris Olympics 2024. At that time there was a lot of talk about Sreejesh's future with the Indian team, as he was 36 at that time and had a career filled with a lot of highs and brilliant moments. I asked him if it was his last Olympics, and he was adamant in saying, no, that wasn't the case.But just a few days later, Sreejesh shocked everyone by saying that the Olympics 2024 would actually be his final tournament in India colours. Like many, I was sad about the development and I decided to ask why he did that just before we started our chat. With a big laugh, the wall of Indian hockey just said,And that's Sreejesh in a nutshell. An approachable and positive person off the field, always up for a laugh. On the field, as his nickname suggested, he was the wall that just kept the opponents at bay and single-handedly win penalty shoot-outs for his side.

India recently won the Asia Cup 2025 in Rajgir, where fans did miss the presence of the legendary goalkeeper at times. But Sreejesh isn't really missing being on the turf. He has got a couple of roles to handle off it, being the Indian Jr.men's team's head coach, mentor of the SG Pipers men's team in Hockey India League, and also being the director of hockey for the franchise."Life got busier after retirement because being a player, you are just taking care of yourself, your performance, diet and health, that's all. But now you are responsible for 34 players and your coaching staff. So, you're spending the same amount of time on the field coaching the players and around 6 to 7 hours on the computer just preparing for the next sessions, analyzing the sessions, and preparing for the next tournaments. So after retirement, I'm busier. I'm literally busier," said Sreejesh.

Sreejesh: The strict coach

The former India goalkeeper was made the Jr.men's team coach while the Paris Olympics was still going on, and he had told me in our first interaction how he was eager to be a coach.So, does Sreejesh continue his merry and fun ways with the young team as a coach? Well, the 37-year-old said it is actually the opposite. He called himself a very strict coach, who is all business when the game is on.However, he does understand the efforts of a player and what they have to deal with. So he keeps things open with his players."I understand the effort of a player and how they think, the pressure they deal with. I try to be more open with my players and I, I kept everything on the table saying that this is what I want and this is my dream and this is my picture and you make it colorful. That's it. So, they understand it really well.""Second thing is that, I'm kind of a coach who shares my experience, how I try to tackle things, how other players used to tackle things, how other players used to manage their pressure, and how they used to play their best performance. So, for the youngsters, I'm a bit strict competitively and not the jolly type. It's all business. You are here to perform. You're here wearing that Indian jersey. That means you have a responsibility. You're not here for time pass. So I make sure that, they're giving their best for the country and win a medal."

"When it comes to the junior teams, it's a responsible job because they're the future and I am shaping it," said Sreejesh.

Abhishek Sharma drops stylish Dubai pics, Guru Yuvraj Singh has hilarious response

Abhishek Sharma's latest post on Instagram got a hilarious comment from his guru Yuvraj Singh, who decided to have some fun at the expense of his young disciple. Abhishek posted images from his free time in Dubai.

New Delhi. (Agency)

Abhishek Sharma decided to post some dashing pictures on his Instagram from Dubai, but it was Yuvraj Singh's hilarious response that won hearts as the Indian legend decided to have some fun at the expense of his young disciple. Abhishek has been India's star during the Asia Cup, topping the runs charts and smacking the ball to all corners of the field.The Indian opener has scored 248 runs at an average of 49.60 and a strike-rate of 206.66. In his last two outings, Abhishek scored 74 against Pakistan and 75 against Bangladesh to help his side cruise into the final of the Asia Cup with ease. As India were enjoying an off day on Thursday, September 25, Abhishek decided to post some pictures from his outing in Dubai.Fans were left in awe of the stylish looks of the 25-year-old as fans would praise him in the comments section. However, the one remark that stood out from the rest was that of Yuvraj. The former Indian all-rounder said that he had his eyes on his disciple to ensure that he maintains discipline while on the tour.Fans would react to Yuvraj's comment, with some even asking him to be a little easy on his young disciple.Abhishek has been doing well during the Asia Cup to make his guru proud and recently broke a record of Yuvraj during the tournament. With his fifty against Bangladesh, Abhishek went past Yuvraj as he has five fifties where he had faced 25 deliveries or fewer.Abhishek said that Yuvraj has been advicing him to let others also get big hits during a match and not take all the glory for himself."He always says — when you've hit a six, then give the other guy a chance to hit too.

Ashes: Joe Root eyes beyond milestone 100 vs Australia, confident in different England

New Delhi. (Agency)

England star batter Joe Root has promised a fresh approach for the upcoming Ashes series in Australia. With the five-Test series starting November 21 in Perth, Root believes his side will take on the hosts with a new mentality, different strategies, and a positive, attacking style of play aimed at challenging Australia on their home turf.Speaking to Sky Sports, Root emphasised his confidence in England's team selection, approach, and revamped mindset this time will make a real difference, offering a variation that Australia may not have faced before."It's a big series against a side that have got a great record at home, especially against us previously. But I think it's the first time we can hit them with something slightly different. We're going out there with a different team, a different mentality, a different way of playing and have played some good cricket of late. Hopefully that stands us in good stead, and we can put across some really good performances and hopefully create some history," Root said.While Root has achieved remarkable success in Test cricket, he is yet to score a century in Australia – a milestone that has eluded him in 14 matches across 27 innings, where he has accumulated 892 runs at an average of 35.68. His highest score remains 89, and he has registered nine fifties in the challenging conditions Down Under. Despite this, Root is clear that personal milestones are secondary to team success."This tour is not about me making 100. It is about us going and winning an Ashes series. As an experienced player, if I go out and make big scores and big 100s, then that gives us a great opportunity .

Surya asked to avoid political comments over Pak complaints at ICC hearing: Sources

New Delhi. (Agency)

India T20I captain Suryakumar Yadav has been formally warned by the International Cricket Council (ICC) to refrain from making political remarks, following a complaint filed by the Pakistan Cricket Board (PCB). The issue arose after India's group-stage victory over Pakistan on September 14, when Yadav, in his post-match press conference, dedicated the win to the Indian Armed Forces involved in Operation Sindoor and expressed solidarity with the victims of the Pahalgam terror attack.The PCB specifically objected to Yadav's reference to Operation Sindoor, the name given by the Indian government to their military retaliation following the Pahalgam attack in April, arguing that his tribute carried political undertones. Yadav appeared before match referee Richie Richardson and pleaded not guilty. The ICC has now advised him against repeating similar comments in the future.

Richardson is expected to announce his decision on Friday, ahead of India's final Super 4 match against Sri Lanka. Any potential punishment for Yadav could range from a formal warning to a deduction of match fees, though no verdict has been finalised.Meanwhile, the ICC will also consider complaints lodged by the Board of Control for Cricket in India (BCCI) against Pakistan fast bowler Haris Rauf and opener Sahibzada Farhan for their gestures during the India vs Pakistan Super 4 game in Dubai on September 21. Rauf's actions appeared to reference Pakistan's disputed claim of shooting down six Indian jets during earlier border tensions, while Farhan celebrated his fifty with a gesture resembling firing a machine-gun, which was widely criticised as insensitive. Farhan although defended his actions later, reasoning the celebrations to be one that came at the top of his mind.The gestures by both Pakistan players drew significant criticism on social media, adding to the tensions surrounding the tournament's high-profile encounters.

On the cricketing front, India had already secured their place in the Asia Cup final after defeating Bangladesh in their Super 4 match on September 24. Pakistan followed suit with a victory over the same opponents the following day, setting the stage for a third meeting between the arch-rivals in the final

IND vs PAK final: Pakistan coach urges players to focus on cricket amid off-field row

MANCHESTER. (Agency)

Pakistan head coach Mike Hesson has delivered a straightforward message to his players ahead of the Asia Cup 2025 final against India — focus solely on cricket and avoid getting caught up in the controversies surrounding the high-profile rivalry. The arch-rivals are set to meet for the third time in this edition of the tournament, but instead of the cricket itself, much of the attention so far has been on off-field issues and on-field gestures that have sparked debates and escalated tensions.The build-up to any India vs Pakistan clash is always loaded with anticipation, and this Asia Cup has been no different. However, the spotlight has shifted away from the game on several occasions due to dramatic incidents. Speaking after Pakistan's narrow 11-run victory over Bangladesh that secured their place in the final, Hesson made it clear that his focus remains firmly on cricket."Look, my message is we just focus on cricket. That's what we will be doing. Those things, you probably know more about them than me. I deal with the cricket side. In terms of gestures, there's always been passion, isn't it? When you are in high-pressure games, the focus will be on focusing on the job and playing a good game. That's my part of my job," Hesson said.

Drama to the brim in India vs Pakistan

First came the handshake controversy, when India skipper Suryakumar Yadav declined to shake hands with Pakistan captain Salman Ali Agha during the toss in their group-stage clash. The drama continued after India's seven-wicket win, with the entire Indian team avoiding post-match handshakes. Matters escalated further during the Super 4 game in Dubai, when Pakistan fast bowler Haris Rauf and opener Sahibzada Farhan were seen making provocative gestures toward Indian fans in the stands.The controversies, however, have extended beyond public debate. India filed an official complaint with the International Cricket Council (ICC) against Rauf and Farhan over their actions in the Super 4 clash. In response, the Pakistan Cricket Board (PCB) reportedly lodged its own complaint against Suryakumar Yadav, citing his gesture of dedicating India's group-stage win to the armed forces and his remarks in solidarity with victims of the Pahalgam terror attack.

On Thursday, September 25, Suryakumar attended a hearing conducted by match referee Richie Richardson regarding Pakistan's complaint. The decision on that matter is expected before India's final Super 4 game against Sri Lanka. Similarly, both Rauf and Farhan are set to face hearings over India's complaint regarding their conduct in Dubai.Despite the backdrop of tension, the cricket continues. Pakistan sealed their place in the final with a hard-fought win over Bangladesh, while India had already secured qualification earlier with victories over Bangladesh and Pakistan. Now, as both sides prepare for the grand finale on September 28, the hope from Hesson and fans alike is that cricket finally takes centre stage.

Janhvi Kapoor

Turns Heads In All-Black Look, Do Not Miss Her Bootcut Denim

Janhvi Kapoor, who charmed fans with her performance in Param Sundari, is now gearing up for her upcoming film Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari. Scheduled to hit theatres on October 2, the movie has already built strong anticipation. Meanwhile, Janhvi keeps turning heads with her chic promotional looks that balance elegance and style.On Thursday, the actress was spotted at Mumbai airport, reportedly returning from a round of promotional activities. Her look instantly grabbed attention as she kept things striking and stylish in a bold all-black outfit.

Janhvi's Sleek Black Ensemble

Known for her impeccable airport fashion, Janhvi didn't disappoint this time either. She chose a black button-down top paired with fitted black pants, creating a sleek monochrome vibe.Adding to the edgy appeal, she sported dark sunglasses and let her wavy, voluminous hair flow freely over her shoulders. Her minimal approach to accessories worked perfectly, while her choice of footwear, chunky black shoes, gave the ensemble a chic finish.The look was comfortable, travel-friendly and stylish, all at once, proving why she's often hailed as a fashion icon.

A Sneak Peek into the Film

Helmed by Shashank Khaitan, this upcoming romantic comedy pairs Janhvi Kapoor with Varun Dhawan in lead roles. The plot follows Sunny (Varun) and Tulsi (Janhvi) as they try to reconcile with their exes, portrayed by Sanya Malhotra and Rohit Saraf.

Adding to the fun are Maniesh Paul and Akshay Oberoi, who bring in extra doses of humour and charm. With its offbeat storyline and an ensemble of talented actors, the film has already stirred excitement and is shaping up to be one of the most anticipated releases of the year.

Janhvi's Upcoming Project Homebound

Apart from Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari, Janhvi Kapoor has another exciting film lined up, Homebound. Directed by Neeraj Ghaywan and co-starring Ishaan Khatter and Vishal Jethwa, the film is based on a 2020 New York Times article by Basharat Peer. It also features Reem Shaikh, Harshika Parmar and Shalini Vatsa.Homebound recently made headlines for being selected as India's official entry to the Oscars 2026. Produced by Dharma Productions, the film further cements Janhvi's place as one of the most promising talents of her generation.

Malaika Arora's

Latest Navratri Special Look Will Make You Sing 'Anarkali Disco Chali'

From sporting laid-back outfits to stunning in heavy-work ethnic ensembles, Malaika Arora pulls off every look with effortless glam. She is among the fashionistas who know how to balance modernity with sophistication.The actress is now spotted in an elegant Indian traditional attire outside her Bandra residence in Mumbai. And let's be honest, her look is the ultimate fashion inspiration for anyone who wants to be the show-stopper of Navaratri 2025.

Malaika Arora Spotted in An Elegant Ethnic Ensemble

On Thursday, September 25, Malaika Arora was spotted while stepping out of her Mumbai resilience. Paparazzi couldn't resist themselves to capture the regal beauty of the actress.

Malaika opted for a breathtaking maroon ethnic ensemble that exuded regality with feastive charm. Her outfit featured a heavily embroidered long anarkali-style silhouette with intricate golden threadwork and motifs all over. The full-sleeved attire was paired with a matching dupatta, further enhancing the traditional elegance. The flowing hemline added just the right amount of movement and drama as she walked.

Malaika accessorised the look with an opulent statement necklace adorned with white and green stones. Skipping earrings, Malaika balanced the jewellery by wearing a pair of statement bangles on both wrists.For makeup, she chose a glowing nude-toned base with kohl-rimmed eyes, soft contouring and a hint of nude lip colour. Her hair was styled in a sleek bun, adorned with fresh white gajra, while a tiny bindi on her forehead completed the look.

Malaika Arrora's Look Is The Fashion Guidebook for Navratri 2025

Known for her ever-evolving fashion sense, Malaika Arora once again proved how to blend regal charm with sophisticated elegance without overdoing it. This look arrives at the perfect time, as fans gear up to pick the best festive outfits for Navratri. The vibrant maroon hue of her ensemble mirrors the season's spirit, while the rich golden embroidery celebrates Indian craftsmanship.

Divyanka Tripathi And Vivek Dahiya's Navratri Celebrations With Close Friends

Television stars Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya are among the most popular couples in the industry. With their charming bond and light-hearted charm, the duo never fails to win their followers' hearts. Just like every other festival, the duo are also celebrating Navratri together in style. In the latest pictures shared by Divyanka, the couple were seen enjoying a garba night with friends.

In the picture, Divyanka was seen in a blue and green saree with floral and peacock feather motifs. On the other hand, Vivek was seen in a blue kurta with a multicoloured pattern on the shoulder.

Divyanka Tripathi At Star Parivaar Awards 2025

Meanwhile, Divyanka was recently seen at the Star Parivaar Awards 2025. She reunited with her Yeh Hai Mohabbatein co-star Karan Patel. On her Instagram stories, Divyanka Tripathi posted a screen grab of an article with a headline that read, "Yeh Hai Mohabbatein's Ishita and Raman return to the Star Parivaar Awards stage, and it means the world!!!"

According to Urban Asian, the Star Parivaar Awards 2025 were filmed on September 20 and will soon be aired on television. This year, on the 25th anniversary of the awards show, the producers have reportedly invited several legendary personalities and celebrities to attend. Divyanka Tripathi and Karan Patel reconciled at the event. The duo are expected to perform in the show, spreading the aura of their presence on-screen once again, almost six years after the show concluded.

Divyanka Tripathi's Work Front

Divyanka Tripathi was last seen in a web series called The Magic of Shiri. Birsa Dasgupta directed the series, which starred Javed Jaaferi, Darshan Jariwala, Neelu Kohli, Parmeet Sethi, Nishank Verma, and Namit Das, as well as Divyanka Tripathi. The series launched on JioHotstar, the OTT powerhouse. The actress has yet to announce her next project.

Kareena Kapoor Khan Meets Gulzar, Shares Photos With Legendary Lyricist

Earlier on Thursday, Kareena also announced that she has begun shooting for Meghna Gulzar's directorial, titled Daayra.

Kareena Kapoor Khan is on cloud nine as she recently met legendary lyricist Gulzar. On Thursday, the Bollywood diva took to her Instagram handle and dropped a series of photos in which she was seen meeting the lyricist. In the pictures, Gulzar was seen on the sets of Kareena Kapoor's upcoming movie, which is being directed by his daughter Meghna Gulzar.Sharing the photos, Kareena wrote, "One for the books Meeting Gulzar saab chalo for me sab kuch ho gaya (Meeting Gulzar Sir is everything for me)". Check it out here:

It was earlier today when Kareena announced that she has begun shooting for Meghna Gulzar's directorial, titled Daayra. She took to social media to share the news, posting a behind-the-scenes video that offers a sneak peek into the team's preparations over the past few months. She revealed that it marks the first day of shooting for her 68th film and asked her fans for their love and blessings.

The video clip also included several glimpses of the team's prep for Daayra. Kareena was seen reading the script in one glimpse, while another shows Prithviraj Sukumaran in character, dressed in a police uniform. The video also showed veteran lyricist and poet Gulzar on the sets of Daayra, warmly interacting with Prithviraj and other team members. Sharing the video, Bebo wrote, "Day 1 68th film Daayra with the most amazing @meghnagulzar and @therealprithvi …Send love and blessings."

About Daayra

Daayra taps into the pulse of the people as it confronts the topical and diabolical realities unfolding in society today. This crime-drama thriller explores the age-old paradox of crime, punishment, and justice with powerhouse actors Kareena Kapoor Khan and Prithviraj Sukumaran in intense, commanding roles.Daayra marks Meghna's next directorial after Sam Bahadur (2023). Co-written by Yash and Sima alongside Meghna, the film promises a gritty and nuanced exploration of crime and punishment, justice, and truth.